सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 153 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 18 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मोहब्बत हमारे साथ, शादी मोदी साहब से ...

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसदों की फेयरवेल स्पीच के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने ऐसी बात कही, जिस पर खुद पीएम मोदी भी हंसे बिना नहीं रह सके। राज्यसभा से बुधवार को कई सांसद रिटायर हो गए। विदाई के दौरान राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि नेता कभी रिटायर नहीं होते। वो राजनीति में, पब्लिक लाइफ में, देश सेवा के जुनून में न तो थकते हैं और न ही रिटायर होते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बारे में बोलते हुए खरगे ने कहा कि 'मोहब्बत हमारे साथ की, लेकिन शादी मोदी साहब के साथ' ऐसा क्यों हुआ मुझे नहीं पता।

पुलिस-ग्रामीणों के बीच खूनी झड़प, एक की मौत

मुजफ्फरपुर। गायघाट थाना क्षेत्र के असिया गांव में उस समय हालात बेकाबू हो गए, जब पॉक्सो एक्ट के एक आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। देखते ही देखते विवाद हिंसक झड़प में तब्दील हो गया और दोनों पक्षों के बीच फायरिंग होने लगी। इस दौरान गोली लगने से एक ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि थानेदार समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हाथ कटने पर एक करोड़ का मुआवजा देने का आदेश

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए 10 साल की बच्ची को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। बच्ची हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के अटेली कस्बे की रहने वाली है। चार साल पहले वो अपने घर के पास से गुजर रही 11 केवी की हाई-टेंशन तार के संपर्क में आने से बुरी झुलस गई थी। डॉक्टरों को उसका दाहिना हाथ काटना पड़ा था। इस हादसे से वो 92 प्रतिशत विकलांग हो गई। हादसे के समय वो सिर्फ 6 साल की थी।

अब कितनी भी उम्र का बच्चा गोद लेने पर मिलेगा मातृत्व अवकाश; सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया गाइडलाइन

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मैटरनिटी लीव को लेकर एक बहुत अहम और बड़ा फैसला सुनाया है, जो खास तौर पर बच्चा गोद लेने वाली महिलाओं के लिए राहत भरा माना जा रहा है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अब सिर्फ तीन महीने तक के बच्चे को गोद लेने वाली ही नहीं, बल्कि उससे ज्यादा उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिलाएं भी मातृत्व अवकाश की हकदार होंगी।

दरअसल, पहले कानून में यह प्रावधान था कि अगर कोई महिला तीन महीने तक के बच्चे को गोद लेती है, तभी उसे 12 हफ्तों की मैटरनिटी लीव मिलती थी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने इस नियम को गलत और भेदभावपूर्ण माना।

कोर्ट ने सामाजिक सुरक्षा संहिता के सेक्शन 60(4) को रद्द करते हुए कहा कि यह प्रावधान संविधान के आर्टिकल 14 (समानता का अधिकार) और आर्टिकल 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन करता है।

कोर्ट का मानना है कि मातृत्व

अवकाश का मकसद सिर्फ बच्चे के जन्म या गोद लेने के शुरुआती समय तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि मां और बच्चे के बीच आत्मीय रिश्ता बनाने और बच्चे की देखभाल के लिए भी जरूरी होता है।

अगर बच्चे की उम्र के आधार पर यह सुविधा दी जाए या रोकी जाए, तो यह सही नहीं है। इससे उन महिलाओं के साथ नाइंसाफी होती है, जो किसी कारण से थोड़ा बड़े बच्चे को गोद लेती हैं। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक और अहम सुझाव दिया है। कोर्ट ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि पिता के लिए भी पितृत्व अवकाश को लेकर साफ और ठोस कानून बनाया जाए।

इससे बच्चों की परवरिश में पिता की भूमिका भी मजबूत होगी और जिम्मेदारी सिर्फ मां पर ही नहीं रहेगी। मैटरनिटी लीव को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनाए गए फैसले से तीन महीने से बड़े बच्चे को गोद लेने वाली महिलाओं को काफी राहत मिलेगी। अब पहले जैसी उम्र की पाबंदी नहीं रहेगी, जिससे कई महिलाओं को फायदा मिलेगा।

रायपुर के गटर में 3 और मौतें, 2 साल में दूसरी बड़ी घटना, इधर देश में सालों से है पूर्ण प्रतिबंध

बिना सेफ्टी के सीवरेज टैंक में उतारा, रामकृष्ण हॉस्पिटल में हंगामा, पुलिस से भी झूमाझटकी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मैनुअल स्कैवेंजिंग पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए एक तरफ सुप्रीम कोर्ट लगातार निर्देश दे रहा है वहीं दूसरी तरफ गटरों की सफाई करते हुए लोगों की लगातार मौतें हो रही हैं। ताजा मामला रायपुर का है जहां रामकृष्ण हॉस्पिटल के पीछे गटर की सफाई के दौरान दम घुटने से तीन लोगों की मौत हो गई। इससे पहले अप्रैल 2024 में अशोका बिरयानी में गटर की सफाई करते हुए दो सफाई कर्मियों की मौत हो गई थी।

जानकारी के अनुसार पचपेड़ी नाका स्थित रामकृष्ण अस्पताल के पीछे बने सीवरेज टैंक (गटर) की सफाई करने उतरे 3 सफाईकर्मियों की दम घुटने से मौत हो गई। वहीं, 1 की हालत गंभीर बनी हुई है। टैंक के अंदर मौजूद जहरीली गैस के संपर्क में आने से तीनों बेहोश हो गए थे और देखते ही देखते उनकी जान चली गई। वहीं एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना के बाद अस्पताल के बाहर परिजनों ने हंगामा किया। इस दौरान पुलिस के साथ उनकी झूमाझटकी भी हो गई। अस्पताल प्रबंधन ने 2 मौत की पुष्टि की है। हादसे के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए। अस्पताल के बाहर मृतकों के परिजन बिलखते नजर आए। परिजनों को अस्पताल के अंदर जाने से रोक दिया गया, जिससे आक्रोश बढ़ गया और पुलिस और परिजनों के बीच झूमाझटकी भी हुई।

अस्पताल के बाहर भारी भीड़ जमा रही और सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

बिना किसी सुरक्षा उपकरण के गटर में उतारा

परिजनों ने आरोप लगाया है कि बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के उन्हें गटर में उतारा गया। जहरीली गैस के रिसाव की आशंका के बावजूद पर्याप्त सावधानी नहीं बरती गई। घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन ने अंदर किसी को भी प्रवेश नहीं करने दिया।

भारत में 9 साल में सीवर और सेप्टिक टैंक में 622 सफाईकर्मियों की मौत; 52 परिवारों को 0 मुआवजा

सभी मृतकों की उम्र 22 से 35 के बीच

इस हादसे में अनमोल माझी (25), गोविंद सेंद्रे (35) और सत्यम कुमार (22) की मौत हो गई। ये श्रमिक एक बाहरी कॉन्ट्रैक्ट एजेंसी के माध्यम से तैनात थे और नियमित कार्य के दौरान वे एक गंभीर आपात स्थिति का सामना कर बैठे। 2 श्रमिकों की मौत हो गई है।

2024 में हुई थी अशोका बिरयानी की वारदात

इससे पहले अप्रैल 2024 में तेलीबांधा स्थित अशोका बिरयानी के गटर में सफाई करने उतरे दो कर्मियों की दम घुटने से मौत हो गई। गटर में जहरीली गैस भरी थी। गटर का ढक्कन डेढ़ बाई डेढ़ फुट का था। इतने संकरे ढक्कन वाले गटर में करीब 7-8 फीट गंदा पानी भरा था। सफाई करने के लिए गटर में उतरा होटल कर्मी फंस गया, जिसे बचाने के लिए दूसरा कर्मी उतरा और फंस गया।

यात्री अधिकारों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, यात्रियों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली (ए.)। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि एयरलाइंस को सीट आवंटन प्रक्रिया को अधिक यात्री-अनुकूल बनाना होगा, जिसमें एक ही पीएनआर पर यात्रा करने वाले यात्रियों को यथासंभव साथ या नजदीकी सीटों पर बैठाने की व्यवस्था की जाए।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा जारी इन निर्देशों में यात्रियों के अधिकारों को मजबूत करने और सभी एयरलाइंस में एक समान व्यवस्था लागू करने पर जोर दिया गया है। हालांकि, कम से कम 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने जैसी कोई बाध्यता स्पष्ट रूप से लागू नियम के रूप में नहीं बताई गई है; सीट आवंटन को पारदर्शी और उचित बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मंत्रालय के अनुसार, खेल उपकरण और वाद्य यंत्र ले जाने की सुविधा सुरक्षा और परिचालन नियमों के तहत पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, एयरलाइंस को पालतू जानवरों के परिवहन के लिए स्पष्ट और सार्वजनिक नीतियां जारी करनी होंगी।

अन्य प्रमुख निर्देशों में उड़ान में देरी, रद्द होने या बोर्डिंग से वंचित किए जाने की स्थिति में यात्रियों के अधिकारों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना शामिल है। एयरलाइंस को अपनी वेबसाइट, मोबाइल ऐप, बुकिंग प्लेटफॉर्म और एयरपोर्ट काउंटरों पर यात्रियों के अधिकारों की जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करनी होगी। इसके अलावा, यह जानकारी क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएगी ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता पहुंच सके।

राहत की खबर : 47 हजार मीट्रिक टन गैस लेकर होर्मुज से निकलकर आई 'नंदा देवी'

नई दिल्ली (ए.)। जामनगर के वडीनार पोर्ट पर एमटी नंदा देवी 46,500 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर पहुंचा, जिसका शिप-टू-शिप ट्रांसफर आज से शुरू होगा। यह हाल के दिनों में हॉर्मुज पार कर भारत पहुंचने वाला दूसरा एलपीजी जहाज है। इससे पहले शिवालिक भी 40,000 एमटी एलपीजी लेकर मुंद्रा पहुंचा था।

जामनगर के वडीनार (कांडला) पोर्ट पर मंगलवार सुबह एक बड़ा एलपीजी कार्गो लेकर जहाज एमटी नंदा देवी पहुंचा। दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह के अनुसार, जहाज सुबह करीब 2.30 बजे पोर्ट के एंकरिज क्षेत्र में पहुंचा। उन्होंने बताया कि नंदा देवी

जहाज 46,500 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर आया है, जिसका ट्रांसफर गहरे समुद्र में शिप-टू-शिप प्रक्रिया के जरिए किया जाएगा। इस कार्गो को एमटी जहाज में स्थानांतरित किया जाएगा और यह प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है।

चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने जहाज के कैप्टन और क्रू से मुलाकात कर इस महत्वपूर्ण कार्गो को सुरक्षित पहुंचाने के लिए उनका आभार जताया। साथ ही उन्होंने ट्रांसफर प्रक्रिया के दौरान हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

एमटी नंदा देवी हाल के दिनों में दूसरा भारतीय एलपीजी जहाज है, जिसने सुरक्षित रूप से स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज पार कर भारतीय तट तक पहुंच बनाई है। इससे ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने के प्रयासों को मजबूती मिली है।

इससे एक दिन पहले ही एलपीजी कैरियर शिवालिक करीब 40,000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर मुंद्रा पोर्ट पहुंचा था। अधिकारियों के मुताबिक, इस कार्गो का एक हिस्सा मुंद्रा में उतारा जाएगा, जबकि बाकी एलपीजी को मैंगलोर भेजा जाएगा।

व्यापमं की परीक्षाओं में अब प्रायवेट टीचर्स की एंट्री बैन, नए निर्देश जारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) ने प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नए नियमों के तहत अब गेस्ट लेक्चरर और निजी संस्थानों के शिक्षकों को पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) के रूप में नियुक्त नहीं किया जाएगा।

परीक्षा केंद्रों पर पर्यवेक्षक के रूप में केवल सहायक प्राध्यापक, व्याख्याता या उससे उच्च पद के शासकीय अधिकारी ही तैनात किए जाएंगे। वहीं, निरीक्षक के रूप में भी सिर्फ शासकीय शिक्षकों की ही नियुक्ति अनिवार्य की गई है।

व्यापमं ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा ड्यूटी से इंकार करना छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत अनुशासनहीनता माना जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित शिक्षकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, निरीक्षण के दौरान यह सामने आया था कि कुछ परीक्षा केंद्रों में नियमों का पालन नहीं हो रहा था।

अभ्यर्थियों के लिए भी सख्त नियम

परीक्षा शुरू होने से कम से कम 2 घंटे पहले केंद्र पहुंचना अनिवार्य, एडमिट कार्ड और मूल फोटो पहचान पत्र साथ लाना जरूरी, मोबाइल, स्मार्टवॉच, कैलकुलेटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। हल्के रंग के बिना पॉकेट वाले कपड़े पहनना अनिवार्य होगा।

विधानसभा में उठा बालोद जम्बूरी में अनियमितता का मुद्दा, शिक्षा मंत्री ने सुनाई शायरी, दिया ये जवाब

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज कांग्रेस विधायक राघवेंद्र सिंह ने बालोद में हुए जंबूरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल पूछा कि आयोजन के लिए टेंडर से पहले काम कैसे शुरू हुआ और 4 दिन के अंदर काम कैसे पूरा हो गया। जवाब में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने शायरी पढ़ी और कहा कि नेशनल का काम अलग है और हमारा काम अलग है।

राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि स्कूल शिक्षामंत्री भारत स्काउट गाइड के पदेन अध्यक्ष हैं, इसके लिए नियमों में क्या संशोधन किया गया और कब किया गया। इसपर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने पहले एक शायरी सुनाई-

वफा जानते जब तुम,
तो मेरी वफा समझा पाता
प्रेम में कितना समर्पण था मेरे,
यह तुझे मैं बता पाता
बार-बार बेगुनाही की अपनी,
कितना भरोसा दिलाऊं
ऐ हमदम
रूठकर बैठ जाते हो हर बार,
कैसे मनाऊं ऐ हमदम
जानते हो तुम बेदाग हैं हम,
तुम्हारी इस महफिल में
फिर भी इतने सवालात,
जहन में क्यों आते हैं हमदम

गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार और जिला प्रशासन की बैठक हुई थी। इसमें राष्ट्रीय मुख्यालय के कार्यकारी अध्यक्ष नया रायपुर और बालोद के दोनों स्थलों का निरीक्षण करने आए थे।

उन्होंने बालोद का चयन किया। मेरे अध्यक्ष बनने से पहले ही यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी। टेंडर मेरे कहने पर नहीं हुआ, बल्कि राज्य कार्यकारिणी की बैठक में निर्णय लिया गया।

अवैध प्लॉटिंग पर सख्ती; 12 जिलों में टास्क फोर्स

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने शहरी और अर्धशहरी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रही अवैध प्लाटिंग और कॉलोनी निर्माण पर लगाम कसने के लिए बड़ा कदम उठाया है। राज्य में जिला स्तरीय टास्क फोर्स गठित की जा रही है, जिसमें अब तक 12 जिलों में गठन पूरा हो चुका है। यह जानकारी विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने दी।

मंत्री ने बताया कि अवैध प्लाटिंग और कॉलोनियों के गोरखधंधे पर प्रभावी रोक लगाने के लिए गठित टास्क फोर्स में कलेक्टर, एसपी, आवास एवं पर्यावरण विभाग के अधिकारी, नगरीय निकायों के कमिश्नर/

सीएमओ और जिला पंचायत के सीईओ शामिल होंगे। यह समिति नियमों के उल्लंघन पर नजर रखेगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

कांकेर और धमतरी जिलों में अवैध प्लाटिंग को लेकर सत्ता और विपक्ष के सदस्यों ने सवाल उठाए, जिस पर मंत्री ने सख्ती के संकेत दिए।

भू-भाटक को लेकर भी अहम जानकारी

विधायक देवेंद्र यादव के सवाल के जवाब में मंत्री ने बताया कि नजूल भूमि के भू-भाटक निर्धारण के लिए राजस्व पुस्तक परिपत्र और विभागीय अधिसूचनाओं के तहत नियम तय हैं। 4 फरवरी 2020 की अधिसूचना में वार्षिक भू-भाटक की दरें निर्धारित की गई हैं 12 फरवरी 2015 की अधिसूचना में नजूल भूमि के नवीनीकरण और पट्टा प्रक्रिया के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि नगरीय क्षेत्रों में शामिल ग्रामों की नजूल भूमि के मामलों में चालू वर्ष से मानक दर पर भू-भाटक लिया जाएगा।

नई गाइडलाइन जल्द

विधायक देवेंद्र यादव द्वारा पुनर्निर्धारण और एकरूपता को लेकर उठाए गए सवाल पर टंकराम वर्मा ने कहा कि नई गाइडलाइन का ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है। अगले 2-3 महीनों में इसे अंतिम रूप देकर पूरे प्रदेश में एकरूपता के साथ लागू किया जाएगा।

संपादकीय

खनन पर हो मनन

पंजाब के प्राकृतिक सुरक्षा कवच पर चोट

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दर्शाती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है।

> “ प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है।

दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल,सवाल नियम-कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है। जो वस्तु-स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल, खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। इसमें दो राय नहीं है कि जब अवैध खनन के खिलाफ जमीनी स्तर पर निगरानी के बजाय महज कागजी कार्रवाई का सहारा लिया जाता है तो अवैध खनन को संबल मिलता है। ऐसा भी नहीं है कि यह अवैध खनन केवल पंजाब की शिवालिक पहाड़ियों के आसपास ही हो रहा है। पूरे भारत में, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तमाम क्षेत्रों में अवैध खनन लगातार पर्यावरण से जुड़े कानूनों की सीमाओं का उल्लंघन करता नजर आता है। अकसर खनन के लिये दिए गए परमिटों में अस्पष्टता और स्थानीय स्तर पर कमजोर निगरानी का फायदा उठाया जाता है। वह भी तब जब सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के फैसलों में बार-बार इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि आर्थिक गतिविधियां पारिस्थितिकीय नुकसान की कीमत पर नहीं चलायी जा सकती। फिर भी, जमीनी स्तर पर, प्रवर्तन एजेंसियां या तो शक्तिहीन दिखाई देती हैं या निर्णायक कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति उनमें नजर नहीं आती।

आसान नहीं भाजपा की पंजाब में वर्चस्व की राह

निर्मल संधु

पंजाब के दौरों के दौरान, मोदी-शाह की जोड़ी ने न तो पंजाब के मूल मुद्दों को छुआ और न ही राज्य को मौजूदा मुश्किल हालात से निकालने के लिए कोई सोची-समझी योजना पेश की। क्या भाजपा के पास पंजाब को उस 'आर्थिक संकट' से बचाने का वह दृष्टिकोण है, जिसकी कमी के लिए अतीत की सत्ताधारी पार्टियां कुख्यात रही हैं?

गत चौदह मार्च को मोगा में अपनी बहुप्रचारित रैली की शुरुआत करते हुए अमित शाह को पगड़ी पहने और सिखों का लोकप्रिय जयघोष करते देखना एक दिलचस्प नज़ारा था। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अक्सर सिख सभाओं में पगड़ी पहनकर आते हैं। जो कोई भी भाजपा नेताओं को सिखों को लुभाने के वास्ते ऐसे हास्यास्पद सुझाव देता है, उसे पंजाब से जुड़े किसी भी राजनीतिक मामले पर सलाह देने से स्थाई तौर पर रोक देना चाहिए।

यह कोई राज़ नहीं है कि भाजपा में फैसले शीर्ष स्तर पर लिए जाते हैं। यहां तक कि मीडिया को इंटरव्यू देने के लिए भी केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी ज़रूरी रहती है। जाहिर है, आने वाले विधानसभा चुनावों में चुनाव अकेले लड़ने के पार्टी के फैसले का ऐलान करने से पहले अमित शाह ने सुनील जाखड़ और कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसे स्थानीय पार्टी नेताओं से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया था। जबकि कांग्रेस के ये दोनों पूर्व दिग्गज नेता सार्वजनिक तौर पर शिरोमणि अकाली दल के साथ चुनावी गठबंधन करने की वकालत कर रहे थे। यह रवनीत सिंह बिट्टू ही थे जिन्होंने ऐसे किसी भी गठबंधन का ज़ोरदार विरोध किया है; ऐसे में अगर कल को उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा बना दिया जाए, तो कोई हैरत नहीं।

स्थानीय लोगों के साथ सार्थक संवाद के अभाव में, गृह मंत्री ने अपने भाषण में पसंदीदा अलगाव के मुद्दों में से एक का सहारा लिया—धर्मांतरण। भाजपा जिस 'बदलाव' का वादा कर रही है, यदि उसमें धर्मांतरण-विरोधी क़ानून भी शामिल है, तो चुनावी लिहाज़ से उसे कोई ख़ास सफलता नहीं मिलेगी। धर्मांतरण कोई ऐसा मुद्दा नहीं है, जो आम पंजाबियों को परेशान कर रहा हो। मामूली आर्थिक फ़ायदों के लिए ईसाई धर्म अपनाने वाले ग़रीब लोगों से समाज या राज्य को कोई ख़तरा नहीं है। सबको अपने साथ लेकर चलने वाला पंजाब, धार्मिक आधार पर समाज में अलगाव से चुनाव जीतने के भाजपा के एजेंडे को आसानी से स्वीकार नहीं करेगा।

आम तौर पर पंजाबी लोग अहंकारी नेताओं को सत्ता से बाहर करने के लिए वोट देते हैं। उनकी कोई पसंदीदा पार्टी शायद ही कभी रही है। पिछले चुनावों में आम आदमी पार्टी को मिली ज़बरदस्त जीत का श्रेय 'आप' के नेतृत्व से किसी बड़ी उम्मीद के बजाय, कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और भाजपा के कुशासन के लिए उन्हें दी गई सज़ा को ज़्यादा जाता है। हो सकता है कि अब वे 'आप' से भी मोहभंग महसूस कर रहे हों, लेकिन वे इतने नाराज़ भी नहीं हैं कि उसे सत्ता से ही बेदखल कर दें।

सिख राजनीतिक विचारक और लेखक, अजमेर सिंह के अनुसार 'भाजपा ने हरियाणा में जाटों को अलग-थलग करके और गैर-जाटों को एकजुट करके चुनाव जीता था। पंजाब में भी वह यही रणनीति अपना सकती है—सिख जाट वोटों को बांटना और हिंदू, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग वोटों को एकजुट करना'। डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख को पद्मश्री से सम्मानित करना और उसके बाद दलित बहुल इलाके में गुरु रविदास को श्रद्धांजलि देने के लिए पीएम मोदी का डेरा दौरा, ज़ाहिर तौर पर इसी रणनीति का हिस्सा हैं।

पंजाब के कुल वोटों में दलितों की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत है और जालंधर, कपूरथला, नवांशहर और होशियारपुर—इन चार ज़िलों की 117 विधानसभा सीटों में से 23 सीटों के नतीजों में वे निर्णायक भूमिका निभाते हैं। दलितों के बीच रविदासिया समुदाय एक बड़ा हिस्सा है। भाजपा इसी समुदाय पर दांव लगा रही है। भाजपा की इस चुनावी रणनीति को एक और चीज़ से भी मदद मिल रही है—दोषी डेरा प्रमुख राम रहीम की बार-बार पैरोल पर रिहाई। पंजाब के मालवा इलाके के कुछ हिस्सों में राम रहीम के बहुत सारे अनुयायी हैं और फिलहाल उसका पसंदीदा दल भाजपा है। ब्यास स्थित राधा स्वामी डेरा आमतौर पर राजनीतिक रूप से तटस्थ रहता है।

भाजपा की दलितों तक पहुंच बनाने की कोशिश भी शायद ही कामयाब हो जाए, क्योंकि पंजाब में अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के वोटर बंटे हुए हैं और अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों का समर्थन करते हैं। यही वजह है कि बहुजन समाज पार्टी पंजाब में ज़्यादा कामयाबी हासिल नहीं कर पाई। और इसीलिए भाजपा के लिए हरियाणा वाली सफलता को पंजाब में दोहराना मुश्किल होगा। यहां पर हालात पूरी तरह से उसके अनुकूल नहीं हैं। सिख आमतौर पर भाजपा से दूरी बनाकर रखते हैं, क्योंकि भाजपा की राजनीति भड़काऊ होती है, एजेंडा सांप्रदायिक केंद्रित होता है, और वह डेरों को संरक्षण देती है। सिखों का मुख्य सिद्धांत है 'सरबत दा भला' (सबका कल्याण)। पंजाबी स्वभाव से ही धर्मनिरपेक्ष होते हैं। उग्रवाद के चरम पर होने के समय भी, गंभीर उकसावों के बावजूद, कोई बड़ा सांप्रदायिक विभाजन नहीं हुआ था।

सिखों को लुभाने के वास्ते, भाजपा ने पगड़ीधारी कई नेताओं को पार्टी में शामिल किया है। राजनीति को धर्म से जोड़ते हुए, वह अक्सर गुरु तेग बहादुर और साहिबजादों के सर्वोच्च बलिदानों को याद करती है, और करतारपुर साहिब कॉरिडोर खोलने के बारे में दावे करती है; लेकिन इन सब बातों का कोई खास असर नहीं होता। इसके विपरीत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का लगातार दोहराया जाने वाला यह नज़रिया कि सिख भी हिंदुओं का ही हिस्सा हैं, इस समुदाय को विशेष रूप से नाराज़ करता है। पंजाब यूनिवर्सिटी में कैंपस पर 'भगवा वर्चस्व' की कोशिशों के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे।

भाजपा की सत्ता पाने की कोशिश का समर्थन किसानों और खेतिहर मज़दूरों द्वारा करने की संभावना कम ही है। पहले ही, तीन विवादित कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के साल भर चले विरोध प्रदर्शनों ने भाजपा नेतृत्व को बैकफुट पर धकेल रखा है। तिस पर 'बीज विधेयक', 'बिजली विधेयक' और अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते ने उन्हें फिर से आंदोलन की राह पर ला खड़ा किया है। मोगा में अमित शाह किसानों की चिंताओं को दूर करने के लिए उनसे बात कर सकते थे।

भाजपा की राष्ट्रीय आर्थिक नीतियां भी पंजाब को रास नहीं आती। इन नीतियों से आज़ादी के बाद पहली बार इतनी ज़्यादा आर्थिक असमानता देखने को मिली है, और मुट्ठी भर 'गोदी सेठों' के हाथों में अकूत संपत्ति जमा हो गई है। धार्मिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देना, समाज में भय को हवा देना, और लोगों का ध्यान भटकाने वाली राजनीति करना—ये सब भले ही व्यापक आर्थिक संकट को छिपा लें और चुनावी जीत दिला दें, लेकिन अंत में जीत हमेशा सच्चाई की ही होती है।

पंजाब के दौरों के दौरान, मोदी-शाह की जोड़ी ने न तो पंजाब के मूल मुद्दों को छुआ और न ही राज्य को मौजूदा मुश्किल हालात से निकालने के लिए कोई सोची-समझी योजना पेश की। क्या भाजपा के पास पंजाब को उस 'आर्थिक संकट' से बचाने का वह दृष्टिकोण है, जिसकी कमी के लिए अतीत की सत्ताधारी पार्टियां कुख्यात रही हैं? क्या यह राज्य के सिर चढ़े उस कर्ज़ का बोझ हल्का करने में मदद कर सकती है, जो पिछले कई सालों में बेतरह ज्यादा खर्च, सोचे-समझे बिना कर्ज़ लेने और 'रेवड़ी योजनाओं' में पैसे की बर्बादी की वजह से जमा हो गया है?

तथापि सूबे में अपने अब तक के निराशाजनक प्रदर्शन और सत्ता तक पहुंचने के रास्ते में आने वाली ढेरों रुकावटों के बावजूद, इस बार भाजपा की पंजाब में पैठ बनाने की कोशिश को हल्के में नहीं लेना चाहिए। भाजपा की 'वोट जीतने वाली मशीन' की ताकत और पहुंच को कम करके नहीं आंकना चाहिए। इसके संगठनात्मक कौशल, आर्थिक ताकत, आरएसएस का समर्थन और एक 'अनुकूल' चुनाव आयोग, ये ऐसे बेजोड़ फायदे हैं जिनका कोई तोड़ नहीं है। पार्टी नेतृत्व की राजनीतिक रणनीतियां और जातिगत समीकरण अक्सर मनचाहे नतीजे देते हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

युद्ध कांड ने लिखा जो सिलेंडर पुराण

पंकज

कमर्शियल सिलेंडर क्या बंद हुए, शहर के आधे प्रेमियों की डिनर डेट ही कैंसिल हो गई। अब लोग अपनी प्रेमिका को रेस्तरां ले जाने के बजाय, उसे गैस की लाइन में खड़े होकर अपनी व्यथा सुनाना ज़्यादा प्रैक्टिकल समझते हैं। मैं एक सिलेंडर हूं। लोहे का बना हूं, पर मेरा भीतर का खालीपन आजकल किसी चुनाव हार चुके नेता के दफ्तर जैसा है—जहां केवल सन्नाटा और मायूसी का कब्ज़ा रहता है। इस सिलेंडर पुराण की कथा वहीं से शुरू होती है, जहां से आम आदमी की सहनशक्ति खत्म होती है। लोग कहते हैं कि लोहा मज़बूत होता है, पर कभी उस लोहे की आत्मा से पूछिए जो तपती धूप में गैस एजेंसी के बाहर पिछले छह घंटों से एक अदद नंबर आने के इंतज़ार में खड़ा है। इस पुराण का दूसरा अध्याय युद्ध कांड है। दुनिया के किसी भी कोने में बारूद महके, यूक्रेन में बम फटे या खाड़ी देशों में किसी तानाशाह की भौंहें टेढ़ी हों—सबसे पहले मेरी सांसें फूलने लगती हैं। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का सीधा संबंध मेरी खाली कोख से है। उधर मिसाइलें चलती हैं, इधर मेरा दाम रॉकेट हो जाता है। लोग कहते हैं, युद्ध से मानवता का नुकसान होता है। मैं कहता हूं, युद्ध से मेरी फिलिंग का अपमान होता है। रूस और यूक्रेन की जंग ने मुझे यह सिखा दिया कि भूगोल की किताबें भले ही स्कूल में काम आएं, पर असली जियो-पॉलिटिक्स तो रसोई के चूल्हे पर तय होती है। जब तक वहां शांति समझौता नहीं होता, यहां मेरी रगों में गैस का संचार नहीं होता।

पुराण के पन्नों को पलटें तो स्मृति कांड आता है। मुझे याद है वो कोविड का भयावह दौर। तब मैं ऑक्सीजन का अवतार बनकर देवदूत कहला रहा था। लोग मुझे सीने से लगा रहे थे, रात-रात भर मेरे लिए जाग रहे थे, मेरी आरती उतार रहे थे। आज मैं एलपीजी के रूप में हूं, तो लोग मुझे देखते ही गालियां बकने लगते हैं। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे किसी फिल्म में विलेन का रोल करने के बाद हीरो को मोहल्ले की दुकान पर उधार न मिले। तब मैं जीवन बचा रहा था, अब मैं कच्ची दाल पका रहा हूं। पर विडंबना देखिए, तब भी मैं लाइन में था, अब भी मैं लाइन में हूं। लगता है मेरी कुंडली में शनि नहीं, साक्षात लाइन बैठी है।

आजकल बाज़ार में कमर्शियल सन्नाटा छाया है। सरकार ने कमर्शियल सिलेंडरों पर ऐसी टेढ़ी नज़र डाली है कि बेचारे रेस्टोरेंट वाले अब चूल्हे की जगह मोमबत्ती पर तवा गर्म करने की सोच रहे हैं। ढाबों पर शांति का वास है। वह जो पनीर टिक्का की मदहोश करने वाली खुशबू आती थी, अब वहां केवल जीएसटी की कड़वाहट और महंगाई की महक आती है। कमर्शियल सिलेंडर क्या बंद हुए, शहर के आधे प्रेमियों की डिनर डेट ही कैंसिल हो गई। अब लोग अपनी प्रेमिका को रेस्तरां ले जाने के बजाय, उसे गैस की लाइन में खड़े होकर अपनी व्यथा सुनाना ज़्यादा प्रैक्टिकल समझते हैं। इस देश में ईमान और सिलेंडर दोनों ही खाली पड़े हैं, बस उन्हें भरने की लाइनें अलग-अलग हैं। सिलेंडर तो फिर भी एजेंसी पर तीन दिन बाद मिल जाएगा, पर उस नैतिकता का क्या जो ब्लैक में भी उपलब्ध नहीं है?

संस्मरण की सशक्त आवाज़ को मिला सम्मान

डॉ. वेद मित्रा शुक्ला

संस्मरण-पुस्तक के बहाने यह सम्मान ममता जी के उस दीर्घ साहित्यिक यात्रा का भी सम्मान है, जिसमें उन्होंने लगभग छह दशकों तक निरंतर लेखन करते हुए हिंदी कथा-साहित्य और स्त्री-लेखन को नई दृष्टि प्रदान की है। हिंदी साहित्य की बहुआयामी और सशक्त रचनाकार ममता कालिया को उनके चर्चित संस्मरण जीते जी इलाहाबाद (2021) के लिए वर्ष 2025 के साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाना हिंदी साहित्य जगत के लिए एक सुखद क्षण है।

2 नवम्बर, 1940 को उत्तर प्रदेश के वृंदावन में जन्मी ममता कालिया हिंदी साहित्य की उन रचनाकारों में हैं जिनकी रचनात्मकता किसी एक विधा तक सीमित नहीं रही। कहानी, उपन्यास, नाटक, कविता, निबंध, संस्मरण और पत्रकारिता के साथ लगभग हर विधा में उन्होंने अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है। हिंदी कहानी के परिदृश्य पर उनका लेखन सातवें दशक से लगातार सक्रिय रहा है और लगभग आधी सदी के रचनात्मक काल में उन्होंने दो सौ से अधिक कहानियां लिखीं, जो समकालीन जीवन की विडंबनाओं, मध्यवर्गीय संघर्षों और स्त्री-अनुभवों की सजीव अभिव्यक्ति हैं। साहित्यिक संस्कार वाले उस परिवार में ममता जी जन्मी जहां, पिता विद्याभूषण अग्रवाल हिंदी और अंग्रेज़ी साहित्य के विद्वान तथा शिक्षक थे। शिक्षा और जीवन के विभिन्न चरणों में भारत के कई शहरों में रहना उनके व्यक्तित्व और लेखन को व्यापक सामाजिक अनुभवों से समृद्ध करता रहा। तभी उनकी रचनाओं में भारतीय शहरी जीवन का यथार्थ, बदलते पारिवारिक संबंध और स्त्री की आत्मसजगता गहरे रूप में दिखाई देती है।

कहानी के क्षेत्र में ममता कालिया की विशिष्ट पहचान है। उनकी संपूर्ण कहानियां अब तक ममता कालिया की कहानियां (2017) शीर्षक से दो खंडों में प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके चर्चित कहानी संग्रहों में छुटकारा, एक अदद औरत, सीट नं. छह, उसका यौवन, जांच अभी जारी है, प्रतिदिन, मुखौटा, निर्मोही, थिएटर रोड के कौए और पच्चीस साल की लड़की विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। इन कहानियों में समकालीन जीवन की विसंगतियां, मध्यवर्गीय परिवारों के अंतर्विरोध और स्त्री की आत्मसंघर्षशील चेतना सशक्त रूप में उभरती है।

उपन्यास विधा में भी उनका योगदान महत्वपूर्ण है। बेघर (1971), नरक दर नरक (1975), प्रेम कहानी (1980), लड़कियां (1987), एक पत्नी के नोट्स (1997), दौड़ (2000), अंधेरे का ताला (2009), दुक्खम्? सुक्खम्? (2009), कल्चर वल्चर (2016) और सपनों की होम डिलीवरी (2017) जैसे उपन्यास हिंदी कथा साहित्य की उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं। इनमें बदलते सामाजिक मूल्य, उपभोक्तावादी संस्कृति और स्त्री की बदलती भूमिकाएं अत्यंत संवेदनशील ढंग से चित्रित हुई हैं। कविता, नाटक और संस्मरण लेखन में भी ममता कालिया ने अपनी अलग पहचान बनाई। उनके कविता संग्रहों में खांटी घरेलू औरत और कितने प्रश्न करूं उल्लेखनीय हैं। नाटकों में यहां रहना मना है और आप न बदलेंगे चर्चित रहे हैं। संस्मरण विधा में उनकी पुस्तक कितने शहरों में कितनी बार (2010) और नवीनतम जीते जी इलाहाबाद पाठकों और आलोचकों दोनों के बीच विशेष रूप से सराही गई है।

सीधे-सीधे संस्मरण जीते जी इलाहाबाद की बात करें तो पाते हैं कि एक लेख से शुरू हुए इस पुस्तक के पूर्ण होने की यात्रा में एक शहर की स्मृतियों का आख्यान होने के साथ-साथ साहित्यिक और सांस्कृतिक परिवेश की जीवंत झांकी भी है, जिसमें इलाहाबाद (अब प्रयागराज) की बौद्धिक परंपरा और रचनात्मक वातावरण को आत्मीयता से दर्ज किया गया है। यानी ममता कालिया ने संस्मरण विधा को निजी स्मृतियों के कथन से आगे ले जाकर उसे एक व्यापक सांस्कृतिक और साहित्यिक परिप्रेक्ष्य से जोड़ा है। यह कृति किसी एक व्यक्ति के जीवन का वृत्तांत न होकर उस साहित्यिक शहर की जीवित स्मृति है, जिसने आधुनिक हिंदी साहित्य को दिशा दी।

ममता कालिया ने शहर के उस वातावरण को पुनर्सृजित किया है जहां साहित्य, संवाद और बौद्धिक बहसें जीवन का स्वाभाविक हिस्सा थीं। वे बताती हैं कि यहां पैदल चलना किसी विवशता का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मीय सामाजिक जीवन का संकेत था। इस शहर की सांस्कृतिक संरचना में लेखकों, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों की सक्रिय उपस्थिति थी, जिसने उसे हिंदी साहित्य की उर्वर भूमि बना दिया।

संस्मरण का एक महत्वपूर्ण पक्ष इसका शब्द चित्रात्मक शिल्प है। इसमें उपेन्द्रनाथ अश्क, नरेश मेहता, अमरकांत, ज्ञानरंजन, दूधनाथ सिंह और रवीन्द्र कालिया जैसे साहित्यकारों के जीवंत चित्र मिलते हैं, जो उस दौर की साहित्यिक संस्कृति को मूर्त रूप देते हैं। इन चित्रों में प्रशंसा के साथ मानवीय कमजोरियों का भी सहज उल्लेख है, जिससे संस्मरण की विश्वसनीयता और बढ़ जाती है। इस प्रकार जीते जी इलाहाबाद एक ऐसे साहित्यिक नगर का सांस्कृतिक दस्तावेज़ है जो रचनात्मकता, प्रतिरोध और आत्मीयता की परंपरा को जीवित रखता है।

वर्ष 2017 में ममता जी को उपन्यास दुक्खम्? सुक्खम्? के लिए प्रतिष्ठित व्यास सम्मान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त साहित्य भूषण सम्मान, यशपाल स्मृति सम्मान, सावित्री बाई फुले स्मृति सम्मान और लमही सम्मान जैसे अनेक अलंकरण उन्हें प्राप्त हो चुके हैं। अब 2025 में जीते जी इलाहाबाद के लिए मिला साहित्य अकादमी पुरस्कार उनकी साहित्यिक साधना की एक महत्वपूर्ण स्वीकृति है।

लेखक दिल्ली विवि. में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

केंद्र का दिशा-निर्देश

इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि केंद्र असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए।

पूरे भारत को अपनी विचारधारा के रंग में ढालने की मुहिम में जुटी नरेंद्र मोदी सरकार को ऐसे कदमों पर हो रही प्रतिक्रियाओं को लेकर अवश्य सचेत रहना चाहिए। इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि सरकार असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए। इस हफ्ते ऐसी दो घटनाएं हुईं, जिन्हें केंद्र के अति-उत्साह की प्रतिक्रिया समझा जाएगा।

बीते 28 जनवरी को केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत गाना और वंदे मातरम के सभी छह स्तोत्र गाना अनिवार्य कर दिया था। गुजरे मंगलवार को नगालैंड विधानसभा ने इस मुद्दे को प्रवर समिति को भेजने का फैसला किया कि क्या ये दिशा-निर्देश उस राज्य पर भी लागू होता है। इसके पहले बजट सत्र की शुरुआत पर पहली बार गन-गण-मन से पहले सदन में वंदे मातरम गाया गया। उस पर भाजपा को छोड़ सभी दलों के सदस्यों ने आपत्ति जताई। उनमें सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दल भी हैं, हालांकि ये गठबंधन केंद्र में सत्ताधारी एनडीए का हिस्सा है। कई सदस्यों ने कहा कि इस मामले से संवैधानिक एवं अंतरात्मा से संबंधित सवाल खड़े हुए हैं। यह भी कहा गया कि केंद्र का दिशा-निर्देश देशभक्ति और एकरूपता का घालमेल करता मालूम पड़ा है।

इस बीच रेलवे स्टेशनों पर अन्य लिपियों में हिंदी शब्द लिखने को लेकर तमिलनाडु में विवाद गरमा गया है। बुधवार को तिरुचि स्टेशन पर अधिकारियों ने हिंदी, अंग्रेजी, और तमिल में लिखे कर्तव्य-द्वार शब्द को हटा दिया। कहा कि ऐसा जन भावनाओं का ख्याल करते हुए किया गया है। इसके पहले डीएमके समर्थकों ने गेट पर बने मेहराब पर लिखे इन शब्दों पर कालिख पोत दी थी। मुख्यमंत्री एम के। स्टालिन ने इसे 'एक भाषा, तीन लिपि' नीति बताते हुए इस पर कड़ा एतराज जताया था। संकेत हैं कि तमिलनाडु में अब अन्य जगहों पर भी हिंदी विरोधी समूह इस मुद्दे पर विरोध जताने की तैयारी में हैं। ऐसी हर घटना राष्ट्रीय मेलजोल की भावना में पेच डालती है। अत: उचित यही होगा कि इन पर अविलंब ध्यान दिया जाए।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-3 में मॉक ड्रिल

भिलाई। बीएसपी के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 के कन्वर्टर फ्लोर पर 17 मार्च, 2026 को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस ड्रिल में एक गंभीर आपात स्थिति का सिमुलेशन किया गया, जिसमें कन्वर्टर-1 एवं कन्वर्टर-2 के मध्य हॉट मेटल ले जा रही लैडल में पंक्चर होने की स्थिति दर्शाई गई, जिससे पिघला हुआ हॉट मेटल फैल गया तथा तीन कर्मचारियों के झुलसने की परिकल्पना की गई। इस दौरान एक कर्मचारी के बेहोश होने की स्थिति भी प्रदर्शित की गई, जिसे सुरक्षित बाहर निकालने की कार्रवाई की गई। आपात स्थिति की घोषणा इमरजेंसी सायरन बजाकर की गई। सायरन सुनते ही कन्वर्टर फ्लोर पर उपस्थित सभी कर्मियों ने तत्परता से निर्धारित असेंबली प्वाइंट की ओर प्रस्थान किया, जिससे उनकी जागरूकता एवं तत्परता का प्रदर्शन हुआ। सूचना प्राप्त होते ही मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) त्रिभुवन बैठा घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति की कमान संभाली।

अधिकारियों और ठेका सफाई मित्रों के बीच मैत्री क्रिकेट

भिलाई। सेल- बीएसपी के नगर सेवा विभाग द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत अधिकारियों एवं ठेका सफाई मित्रों के मध्य एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार व विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं एवं सीएसआर) उत्पल दत्ता रहे। सेफी चेयरमैन एनके बंछोर, छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मोहन दास, पूर्व रणजी खिलाड़ी राजा बनर्जी, ओए महासचिव अंकुर मिश्रा, कोषाध्यक्ष सौभाग्य रंजन साहू, पूर्व महासचिव परविंदर सिंह, महाप्रबंधक एबी श्रीनिवास, सौमिक डे, डॉ. एनके जैन, केके यादव तथा एमके साहू, उप महाप्रबंधक आर गर्ग सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। 300 अधिकारी, कर्मचारी एवं ठेका सफाई मित्रों ने सहभागिता की। पवन कुमार ने कहा कि स्वच्छता पखवाड़ा के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि ठेका सफाई मित्र केवल श्रमिक नहीं, बल्कि संगठन के सम्मानित सहयोगी हैं।

शिक्षित और हुनरमंद हों महिलाएं, आपसी एकजुटता से बनाएं नशाखोरी के खिलाफ माहौल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस व सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि समाज सेविका विनीता पांडे ने तीन माहों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा, आज के समय में महिलाओं का शिक्षित और हुनरमंद होना जरूरी है ताकि वे स्वावलंबी हो सकें।

कार्यक्रम के अध्यक्ष शिक्षाविद् डॉ डी एन शर्मा ने कहा, 'श्रमिक क्षेत्रों के परिवारों में गरीबी व बीमारी का बोझ महिलाओं के कंधे पर आ जाता है। पुरुषों द्वारा नशीले पदार्थों के सेवन के कारण परिवार सामाजिक-आर्थिक बर्बादी की ओर अग्रसर हो रहे हैं। महिलाएं घर के भीतर व बाहर नशे के खिलाफ एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करें'।

स्वरूपानंद महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ हंसा शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए

महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और नई पीढ़ी को बेहतर संस्कार देने का आवाहन किया।

संस्था की अध्यक्ष शानू मोहनन ने संस्था की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा महिलाओं के लिए विविध खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं और तीन माह का सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण श्रमिक क्षेत्र में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण के प्रशिक्षक पुष्पा चौहान, संगीता, पूजा गुप्ता, खुशबू सिंह, मैमून निशा के अलावा संयोजिका सोनम गुप्ता व समाजसेवी गायत्री सिंह का सम्मान भी किया गया। भारतीय परिधान स्पर्धा में प्रतिभा सिंह, सृष्टि गुप्ता, शिल्पा देवी तथा खेलकूद प्रतियोगिताओं के अंतर्गत दौड़ में पल्लवी शोभा, सिम्मी; सुई धागा दौड़ में सुजाता सिंह, सृष्टि, शीतल साहू व रिंकी साहू को तथा चम्मच रेस में चम्मच दौड़ में प्रतिभा सिंह, राजेश्वरी व रिंकू साहू को क्रमशः प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार दिया गया। कुर्सी दौड़ में सितारा बेगम, काजल यादव व भारती को पुरस्कृत किया गया।

दुर्ग निगम ने ठगड़ा बांध के पास अटलजी की प्रतिमा स्थापित करने को दी मंजूरी, विकास का रोडमैप तैयार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम की बजट सामान्य सभा की बैठक मंगलवार को मोतीलाल वोरा सभागार में आयोजित की गई। अध्यक्षता सभापति श्याम शर्मा ने की।

बैठक में जेल तिराहा स्थित ठगड़ा बांध के किनारे अटल परिसर निर्माण का प्रस्ताव रखा गया, जहां भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की भव्य धातु प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके अलावा महाराजा चौक से पुलगांव चौक मार्ग का नाम पद्मश्री स्व. डॉ. सुरेन्द्र दुबे मार्ग रखने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से सामान्य सभा में पारित किया गया।

बैठक में सिकोला नाला निर्माण के लिए 316.62 लाख रुपए, मिनीमाता चौक से महाराजा चौक तक पाइपलाइन शिफ्टिंग के लिए 439.50 लाख रुपए जैसे बड़े कार्यों पर चर्चा हुई। इसके साथ ही नया बस स्टैंड की दुकानों में किए गए अतिरिक्त निर्माण को नियमित करने तथा कुशाभाऊ ठाकरे भवन के किराया निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए गए।

महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल,वित्त प्रभारी नरेंद्र बंजारे, देवनारायण चन्द्राकर, मनीष साहू, काशीराम कोसरे, लीना-दिनेश देवांगन, शेखर चंद्रकार, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, निलेश अग्रवाल, लीलाधर पाल, शिव नायक, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण तथा निगम के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत निर्धारित समय पर हुई और पूरे दिन विभिन्न विषयों पर गंभीरता से चर्चा की गई।

बैठक में प्रातः 11:30 बजे से प्रश्नकाल प्रारंभ हुआ, जिसमें पार्षदों ने शहर की मूलभूत समस्याओं, सफाई व्यवस्था, जल आपूर्ति, सड़क निर्माण एवं अन्य जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों को उठाया। पार्षदों द्वारा दिए गए सुझावों पर निगम प्रशासन ने सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

महापौर अलका बाघमार ने अपने बजट भाषण में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को शहर के समग्र विकास का रोडमैप बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट जनता की उम्मीदों और शहर की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जो विकास के पहियों को और गति देगा। उन्होंने सदन से इस बजट को पारित करने का आग्रह भी किया।

बैठक में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों तथा राज्य शासन की गाइडलाइन के अनुसार प्रतिमाओं की स्थापना और अन्य कार्यों को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। सभी प्रस्तावों को नियमानुसार प्रक्रिया में लाते हुए पारदर्शिता बनाए रखने की बात कही गई।

सामान्य सभा में गूंजा विकास का संकल्प, बजट पर लगी बहुमत की मुहर,नगर निगम दुर्ग की यह बजट बैठक शहर के विकास कार्यों को नई दिशा देने वाली साबित हुई, जिसमें अधोसंरचना, जनसुविधाओं और योजनाओं को गति देने के लिए ठोस निर्णय लिए गए।

ट्रैफिक कैमरा सबको देख रहा है तीन माह में 8926 ई-चालान कटे

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। अब सड़क पर नियम तोड़कर बच निकलना आसान नहीं रहा। दुर्ग में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के तहत लगे अत्याधुनिक कैमरे चौबीसों घंटे निगरानी कर रहे हैं और हर उल्लंघन सीधे चालान में बदल रहा है। इसी सख्ती का नतीजा है कि वर्ष 2026 में अब तक 8926 से अधिक ई-चालान जारी किए जा चुके हैं।

यातायात पुलिस ने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील मार्गों पर हाईटेक कैमरों का जाल बिछाया है, जो बिना मौके पर रोके ही नियम तोड़ने वालों की पहचान कर लेते हैं। इन कैमरों की मदद से हेलमेट न पहनना, तीन सवारी चलाना, गलत दिशा में वाहन चलाना और पुलिस चेकिंग से बचने के लिए भागने जैसे मामले भी पकड़े जाते हैं। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और प्रमाण आधारित है। कैमरों में दर्ज साक्ष्यों के आधार पर ई-चालान सीधे वाहन मालिक के मोबाइल और पते पर भेजा जा रहा है, जिससे किसी भी तरह की मनमानी की गुंजाइश खत्म हो गई है।

लगातार हो रही कार्रवाई ने वाहन चालकों में जागरूकता और सतर्कता दोनों बढ़ाई है। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन अपनी जिम्मेदारी समझकर करें, क्योंकि सड़क पर लापरवाही सिर्फ चालान ही नहीं, जान का भी जोखिम बन सकती है।

कुरुद-जामुल में ही लगेगा बायोगैस प्लांट : सीएम साय

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। प्रस्तावित बायोगैस प्लांट को लेकर चल रही अटकलों पर अब पूरी तरह विराम लग गया है। विधानसभा के बजट सत्र में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने साफ कर दिया कि यह प्लांट कुरूद-जामुल में तय स्थल पर ही बनेगा और इसे कहीं अन्यत्र स्थानांतरित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

यह मुद्दा तब उठा जब वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने स्थानीय विरोध और स्थल परिवर्तन की संभावना को लेकर सवाल किया। जवाब में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नगर निगम भिलाई द्वारा प्रस्तावित यह परियोजना पूरी प्रक्रिया के तहत तय

स्थान पर ही स्थापित की जाएगी और इसके बदलाव का कोई सवाल नहीं है।

करीब 60 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना प्रतिदिन 130 टन नगरीय ठोस अपशिष्ट के प्रसंस्करण की क्षमता रखेगी, जिससे शहर के कचरा प्रबंधन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। इसके लिए ग्राम जामुल और कुरूद में कुल 5.5 एकड़ भूमि का चयन किया गया है, जिसका लीज डीड 11 दिसंबर 2025 को पूरा हो चुका है।

स्थानीय विरोध के मुद्दे पर सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रही है। कलेक्टर न्यायालय दुर्ग द्वारा 14 नवंबर 2025 को विधिवत जनसुनवाई आयोजित की गई थी, जिसमें संबंधित पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर दिया गया। इसके बाद 5 दिसंबर 2025 को जारी राजस्व आदेश के माध्यम से स्थल की उपयुक्तता की पुष्टि भी कर दी गई।

सरकार के इस स्पष्ट रुख से यह संकेत मिल गया है कि विकास परियोजनाओं को लेकर अब निर्णय तय प्रक्रिया और प्रशासनिक मंजूरी के आधार पर ही होंगे। बायोगैस प्लांट की स्थापना न केवल कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

कुम्हारी में अफीम; 403 ग्राम पदार्थ और लाखों रुपए बरामद

श्रीकंचनपथ समाचार

कुम्हारी/दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुम्हारी क्षेत्र में चल रहे अफीम के अवैध कारोबार का पर्दाफाश किया है। खारुन ग्रीन कॉलोनी के पास घेराबंदी कर पुलिस ने एक बुजुर्ग आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया, जिसके कब्जे से 403 ग्राम अफीम और करीब 14.46 लाख रुपये नगद बरामद किए गए।

इस कार्रवाई ने क्षेत्र में चल रहे नशे के नेटवर्क पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खारुन ग्रीन कॉलोनी गेट नंबर 02 के पास एक व्यक्ति अफीम की बिक्री कर रहा है।

सूचना मिलते ही थाना कुम्हारी पुलिस ने बिना देर किए मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से भारी मात्रा में अफीम, लाखों की नगदी और दो मोबाइल फोन बरामद हुए, जिससे उसके लंबे समय से इस अवैध धंधे में लिप्त होने के संकेत मिले हैं।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुरमेल सिंह (70 वर्ष) निवासी खारुन ग्रीन कॉलोनी, कुम्हारी के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट की धारा 18(ग), 27(क) और 29 के तहत मामला दर्ज कर उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अवैध लाभ कमाने के उद्देश्य से मादक पदार्थों की बिक्री कर रहा था।

इस पूरी कार्रवाई में थाना कुम्हारी पुलिस टीम की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया अहम रही, जिससे एक बड़े अवैध कारोबार का खुलासा संभव हो सका। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

ब्रह्माकुमारीज के 90 वर्ष 'नवदशकोत्सव' के उपलक्ष में मीडिया परीचर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा अपने 90 वर्ष नवदशकोत्सव के उपलक्ष्य में पीस ऑडिटोरियम में मीडिया परीचर्चा स्नेह मिलन का आयोजन किया गया।

भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने बताया कि पाकिस्तान स्थित सिंध से ब्रह्मा बाबा द्वारा परमात्म प्रेरणाओं और नई सतयुगी दुनिया के दिव्य साक्षात्कार के आधार पर इस यज्ञ की शुरुआत 1936 में हुई।

पिताश्री ब्रह्मा बाबा ने अपने लौकिक बच्चों के होते हुए भी अपनी संपूर्ण संपत्ति को माताओ और बहनों का ट्रस्ट बनाकर समर्पित किया और इस संस्था की शुरुआत हुई और तब से लेकर आज तक अनवरत संस्था 140 देशों में 8000 से अधिक सेवा

केंद्रों के माध्यम से समाज के हर व्यक्ति को राजयोग मेडिटेशन, सकारात्मक जीवन शैली, तनाव प्रबंधन का निःशुल्क प्रशिक्षण दे रही है।

आशा दीदी जी ने बताया कि परमात्मा ने अपने विशेष कार्य नई दुनिया की स्थापना के लिए शिव शक्ति, नारी शक्ति बहनों और माताओं को इस कार्य के लिए चुना क्योंकि माताएं और बहने त्याग ईश्वरीय स्नेह से सभी को निःस्वार्थ पालना से सींचती है।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने सभी मीडिया सदस्यों को अपने प्रतिदिन के कार्य से तथा नकारात्मक खबरों के प्रभाव से न्यारा (डिटेच) होकर अपना पार्ट बजाने का निवेदन करते हुए कहा कि उदाहरण के रूप में यदि पुनीत इस्सर दुर्योधन के रोल से बाहर नहीं निकलता तो सोचिए उनका जीवन कितना नेगेटिविटी से भर जाता, आप सभी मीडिया सदस्य दिन भर नकारात्मक खबरों के बीच में रहते हैं तो थोड़े समय के लिए शरीर से न्यारा होकर परमात्मा स्नेह की छत्रछाया में रहे जिसे आपने सभी मीडिया सदस्यों को गहन राजयोग मेडिटेशन की अनुभूति कराई।

सर्वप्रथम सभी मीडिया सदस्यों को तिलक लगाया गया। सभी मीडिया सदस्य विभिन्न आयोजित खेलों का आनंद लिया।

इस अवसर पर संस्था की सेवाओं पर आधारित वीडियो दिखाया गया। इस अवसर पर डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने यह कौन आया रोशन हो गई महफिल जैसे गीत पर सुंदर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। इस मीडिया परिचर्चा में बड़ी संख्या में भिलाई के प्रबुद्धजन मीडिया सदस्य उपस्थित रहे।

शिवनाथ - बोरसी मुक्तिधाम उन्नयन के लिए 1 करोड़

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत दुर्ग शहर के विकास को गति देते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। उन्होंने शिवनाथ नदी स्थित मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार के लिए 50 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 52 बोरसी स्थित मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार के लिए भी 50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कराई है।

मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि मुक्तिधाम जैसे स्थान केवल अंतिम संस्कार की प्रक्रिया तक सीमित नहीं होते, बल्कि यह हमारे समाज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक भावनाओं से भी जुड़े होते हैं। इन स्थलों का सुव्यवस्थित, स्वच्छ और गरिमामय होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों मुक्तिधामों के जीर्णोद्धार से वहां आने वाले नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और वातावरण व्यवस्थित होगा।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

प्रधानमंत्री आवास योजना से संवर रहा जीवन

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में आवासहीन परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजनाएक सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जरूरतमंद परिवारों का पक्का घर पाने का सपना साकार हो रहा है और उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के विकासखंड कसडोल अंतर्गत ग्राम पंचायत अमोदी की निवासी हितग्राही लता बाई यादव, पति पदुम यादव, भी इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। उन्हें योजना के तहत 1 लाख 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई, जिससे उनका पक्का आवास निर्मित हो सका। पूर्व में कच्चे मकान में रहने वाली लता यादव का परिवार अब सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में जीवन यापन कर रहा है। इस योजना ने न केवल आवास की समस्या का समाधान किया है, बल्कि हितग्राहियों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रशासन द्वारा योजना के पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक इसका लाभ सुनिश्चित किया जा सके। हितग्राही परिवार ने इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बस्तर में सजेगा खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का भव्य मंच : देशभर से जुटेंगे 1150 खिलाड़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं और सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के प्रथम संस्करण का आयोजन 25 मार्च से 06 अप्रैल तक प्रदेश में किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन की कड़ियों को जोड़ते हुए बस्तर जिले के जगदलपुर स्थित धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में 30 मार्च से 02 अप्रैल के बीच एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का शानदार संगम देखने को मिलेगा। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित स्पर्धा में हिस्सा लेने के लिए देश के कोने-कोने से लगभग 1150 खिलाड़ी, कोच, मैनेजर और तकनीकी विशेषज्ञ जगदलपुर पहुंचेंगे, जिनका आगमन 28 मार्च से शुरू हो जाएगा। आयोजन की भव्यता और गरिमा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। खिलाड़ियों की सुविधा और अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए खेल परिसर का कायाकल्प सुनिश्चित किया जा रहा है।

राजस्व बढ़ाने के लिए बड़ा फैसला, छुट्टियों में भी खुलेंगे पंजीयन कार्यालय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पंजीयन विभाग ने राजस्व संग्रह को बढ़ाने के लिए अहम निर्णय लिया है। मार्च महीने के अंत में पड़ने वाले शासकीय अवकाश के दिनों में भी पंजीयन कार्यालय खुले रखे जाएंगे। इस संबंध में महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, रायपुर द्वारा आदेश जारी किया गया है। विभाग के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम दिनों में अधिक से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन सुनिश्चित करने और राजस्व में कमी न आने देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। निर्देश के तहत 22 मार्च (चौथा रविवार), 28 मार्च (अंतिम शनिवार), 29 मार्च (अंतिम रविवार) और 31 मार्च (महावीर जयंती) को भी पंजीयन कार्यालय खुले रहेंगे और सामान्य दिनों की तरह काम होगा। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि 31 मार्च तक बैंकिंग लेनदेन सुचारू रूप से जारी रहे।

कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभावी उपयोग से बदलेगी तस्वीर

- कृषि विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों के लिए ए आई पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ
- आईआईटी, आई.आई.एम., एन.आई.टी., नार्म जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञ दे रहे हैं प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। कृषि महाविद्यालय रायपुर में 16 से 20 मार्च तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की विभिन्न प्रविधियों एवं उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर इन क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के गुर सिखाये जा रहे हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 17 महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई.आई.टी. भिलाई, आई.आई.आई.टी. नया रायपुर, एन.आई.टी. रायपुर, आई. आई. एम. रायपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी नया रायपुर, गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, आई.सी.ए.आर. - नार्म हैदराबाद तथा आई.सी.ए.आर - एन.आई.बी.एस.एम. बरोण्डा जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को कृषि शिक्षा अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की विभिन्न टेकनिक्स एवं टूल्स के प्रभावी उपयोग के बारे में मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ इदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने किया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश तथा आई.सी.ए.आर.-राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (एन.आई.बी.एस.एम.) बरोण्डा के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कपिलदेव दीपक सहित कृषि विश्वविद्यालय के निदेशकगण तथा विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठातागण उपस्थित थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में हमारे जीवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग निरंतर बढ़ता जा रहा है और अब यह हमारी सामान्य दिनचर्या का एक हिस्सा बन गया है। उन्होंने कहा विशेषकर उच्च शिक्षा अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने अहम योगदान दिया है। यह शिक्षण, शोध और अकादमिक कार्यों को अधिक प्रभावी बना रही है। डॉ. चंदेल ने कहा कि कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कृषि शिक्षा जैसे पेशेवर क्षेत्रों में ए आई का उपयोग शिक्षण गुणवत्ता, नवाचार और शोध को बेहतर बनाने के लिए अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पाठ योजना निर्माण, पाठ्य सामग्री निर्माण, मूल्यांकन आदि शिक्षण संबंधी कार्यों तथा शोध लेखन, साहित्य समीक्षा, संदर्भ प्रबंधन आदि शोध संबंधी कार्यों के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

इस प्रशिक्षण में प्रतिभागी अपनी कक्षाओं, प्रयोगशाला तथा शोध कार्यों में विभिन्न ए आई तकनीक एवं टूल्स का प्रभावी उपयोग करना सीखेंगे जिससे उनकी कार्यक्षमता और नवाचार क्षमता वृद्धि होगी। आई.आई.टी. भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश ने इस अवसर पर कहा कि कोविड काल से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग बढ़ने लगा है। कोविड के दौरान आई.आई.टी. कानपुर ने विभिन्न ए आई टूल्स का उपयोग कर कोविड के केसेस के प्रतिदिन के आकड़ों तथा उसके पीक पीरियड के बारे में सटीक पूर्वानुमान जारी किए थे। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में भी ए आई तकनीक का उपयोग कर किसानों के लिए मौसम संबंधी पूर्वानुमान तथा कृषि सलाह उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न ए आई टूल्स के माध्यम से वर्षा जल एवं उपलब्ध भूजल के आंकड़ों का उपयोग कर किसानों के लिए उपयुक्त फसलों का चयन किया जा सकता है। इसके साथ ही विगत वर्षों में घटित कीट-बीमारियों के प्रकोप तथा वर्तमान जलवायविक परिस्थितियों का अध्ययन कर फसलों को कीटों एवं बीमारियों के प्रकोप से बचाया जा सकता है।

रींवा-रायपुर हवाई सेवा से बढ़ेगी विकास की रफ्तारः उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल दो दिवसीय प्रवास पर रायपुर पहुंचें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल अपने प्रवास के यहां कई धार्मिक, सामाजिक और शिष्टाचार भेंट कार्यक्रमों में शामिल होंगे। आज शाम रायपुर पहुंचने के बाद उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात वे क्रीस क्लब में विंध्य समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में शामिल हुए, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा से रायपुर के लिए शुरू हुई हवाई सेवा से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए सड़कों और रेल सेवाओं का बेहतर होना जरूरी है। इससे पहले रीवा से दिल्ली और इंदौर के लिए हवाई सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं, जिससे व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

उन्होंने रीवा से दुर्ग तक ट्रेन सेवा जल्द शुरू करने के लिए सकारात्मक प्रयास करने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में विंध्याचल कल्याण सर्व समाज द्वारा शुक्ल का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच संबंध बहुत गहरे हैं। उन्होंने कहा कि यह हवाई सेवा केवल दूरी ही नहीं, बल्कि दिलों को भी जोड़ने का कार्य करेगी। विधायक किरण सिंहदेव ने कहा कि रीवा से रायपुर के लिए हवाई सेवा शुरू होना एक महत्वपूर्ण पहल है।

जिससे आवागमन आसान हो गया है। ज्ञात हो कि उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 18 मार्च को वे सुबह 11.15 बजे छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से उनके निवास (स्पीकर हाउस) में सौजन्य भेंट करेंगे। इसके पहले वे नालंदा परिसर का निरीक्षण करेंगे।

दोपहर 12.05 बजे पहुंना गेस्ट हाउस में विंध्य क्षेत्र के नागरिकों से मुलाकात कर क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में विधायक मोतीलाल साहू, रीवा के पूर्व विधायक के.पी. त्रिपाठी, समाज के संरक्षक शंकर सिंह गहरवार, अध्यक्ष कल्याण प्रसाद पांडेय, डॉ. व्यास मुनि द्विवेदी, मधुकर द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रायपुर जिले में स्कूल खुलने का समय बदला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। तेज धूप और गर्मी को देखते हुए रायपुर जिले में भी स्कूल का समय बदल दिया गया है। जिले के समस्त शासकीय और निजी स्कूल अब सुबह 7.30 बजे से पूर्वान्ह 11.30 बजे तक संचालित होंगे। परीक्षा और कार्यालयीन समय यथावत रहेगा। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण कई जिलों में स्कूल का समय बदल गया है।

मंगलवार को रायपुर के जिला शिक्षा अधिकारी ने भी गर्मी को देखते हुए स्कूल का समय बदलने का आदेश जारी किया। जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय द्वारा जारी आदेश के अनुसार रायपुर जिले के समस्त शासकीय और अशासकीय स्कूल एक पाली वाले सोमवार से शनिवार तक प्रातः 7.30 बजे से पूर्वान्ह 11.30 तक संचालित होंगे।

इसी तरह ऐसे स्कूल जो दो पाली में संचालित हो रहे हैं, वहां प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक स्कूल सुबह 7.30 बजे से 11.30 बजे तथा हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों का संचालन पूर्वान्ह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक होगा। परीक्षा और कार्यालयीन समय में किसा प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है। यह आदेश 20 मार्च से प्रभावशील होगा। इसके बाद स्थानीय कक्षाओं पहली, दूसरी, तीसरी, चौथी, छठवीं, सातवीं और 9वीं-11वीं की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

एलपीजी आपूर्ति सुचारुः कमर्शियल उपभोक्ताओं के लिए प्राथमिकता आधारित वितरण व्यवस्था लागू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले के दिशानिर्देश पर छत्तीसगढ़ में निर्बाध एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ कमर्शियल गैस कनेक्शन वाले संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों के लिए संतुलित और प्राथमिकता आधारित वितरण व्यवस्था केंद्रीय पेट्रोलियम एवं नैसर्गिक गैस मंत्रालय के अधीन लागू करने का निर्णय लिया गया है। खाद्य सचिव रीना कंगाले ने कहा कि प्रदेश में घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सुचारु रूप से जारी रहे और आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार एवं ऑयल कंपनियों के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कमर्शियल उपभोक्ताओं को विगत माहों की खपत के आधार पर अधिकतम 20 प्रतिशत की सीमा के अंदर एलपीजी प्रदाय करने पर सहमति बनी है।कमर्शियल एलपीजी की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत शैक्षणिक संस्थानों एवं चिकित्सालयों के साथ-साथ सैन्य एवं अर्द्धसैन्य कैंप, जेल, हॉस्टल, समाज कल्याण संस्थान, रेलवे एवं एयरपोर्ट कैंटीन को पूर्ण प्राथमिकता देते हुए 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। वहीं शासकीय कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों एवं उनके गेस्ट हाउस और कैंटीन के लिए 50 प्रतिशत, पशु आहार उत्पादक संयंत्र एवं बीज उत्पादक इकाई तथा रेस्टोरेंट एवं होटल के लिए 20 प्रतिशत आपूर्ति निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल एलपीजी के वितरण की दैनिक समीक्षा ऑयल कंपनियों द्वारा की जाएगी तथा इसकी जानकारी प्रतिदिन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं प्रभावी बनी रहे। खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने कहा कि आम नागरिकों को निर्बाध एलपीजी आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आवश्यक सेवाओं पर किसी प्रकार का प्रभाव न पड़े, साथ ही सभी वर्गों तक संतुलित रूप से गैस की उपलब्धता बनी रहे।

फैंसी स्टोर से प्रीति यादव बनीं आत्मनिर्भर उद्यमी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आज के आधुनिक और तेजी से बदलते दौर में जहां डिजिटल तकनीक और आत्मनिर्भरता सफलता की नई परिभाषा बन चुके हैं, वहीं विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत तिलौली की प्रीति यादव ने अपने हौसले और समझदारी से इस बदलाव को अवसर में बदल दिया है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि सोच आधुनिक हो और इरादे मजबूत हों, तो गांव में रहकर भी सफलता की नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है।

एक साधारण परिवार से आने वाली प्रीति यादव के सामने भी आर्थिक चुनौतियां थीं, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों से हार मानने के बजाय खुद को बदलते समय के साथ ढालने का फैसला किया। उन्होंने दुर्गा महिला स्व सहायता समूह से जुड़कर न केवल आर्थिक सहयोग प्राप्त किया, बल्कि आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की नई दिशा भी हासिल की।

समूह से मिले 60 हजार रुपये के ऋण का उपयोग करते हुए प्रीति ने अपने गांव में चूड़ी, कॉस्मेटिक्स और फैंसी आइटम का स्टोर शुरू किया। लेकिन उनकी सोच केवल पारंपरिक दुकान तक सीमित नहीं रही। उन्होंने ग्राहकों की पसंद को समझते हुए आधुनिक ट्रेंड के अनुसार उत्पाद उपलब्ध कराना शुरू किया, जिससे उनकी दुकान जल्दी ही युवाओं और महिलाओं के बीच लोकप्रिय हो गई। प्रीति ने अपने व्यवसाय में छोटे-छोटे आधुनिक प्रयोग भी किए-जैसे ग्राहकों से बेहतर संवाद, मांग के अनुसार नए प्रोडक्ट लाना, और त्योहारों व विशेष अवसरों पर आकर्षक कलेक्शन उपलब्ध कराना। यही कारण है कि उनकी दुकान अब सिर्फ एक दुकान नहीं, बल्कि गांव में एक ट्रेंडिंग शॉप के रूप में पहचान बना चुकी है।

आज प्रीति यादव अपने इस व्यवसाय से प्रतिवर्ष लगभग 80 से 85 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। यह आय न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है, बल्कि उन्हें आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का नया एहसास भी दे रही है। अब वे अपने बच्चों की शिक्षा, घर के खर्च और भविष्य की योजनाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा रही हैं। आधुनिक युग में सफलता केवल कमाई तक सीमित नहीं होती, बल्कि सोच, आत्मविश्वास और पहचान में बदलाव भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। प्रीति यादव इस बदलाव की जीवंत मिसाल बन चुकी हैं। आज वे न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हैं, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी यह सिखा रही हैं कि बदलते समय के साथ खुद को ढालना ही सफलता की कुंजी है।

बस्तर के वनांचलों में डिजिटल क्रांति की शुरुआत

मातृत्व वंदना और पेंशन योजना की राशि घर-घर पहुंचा रही हैं बीसी सखियां

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वह मंजर आज भी बस्तर के वनांचलों की यादों में एक कसक पैदा कर देता है, जब एक लाचार बुजुर्ग को अपनी चंद रूपए की पेंशन के लिए तपती धूप में मीलों पैदल चलना पड़ता था। कभी शारीरिक अक्षमता तो कभी तंगहाली के कारण बैंक तक न पहुँच पाने का वह दर्द और थक-हारकर सूनी आँखों से लौट आने की वह बेबसी ग्रामीण जीवन का एक कड़वा सच थी। लेकिन वक्त बदला और बस्तर की इन पथरीली राहों पर ममता और सेवा का हाथ बढ़ाते हुए बीसी सखियों ने उस करुणा को शक्ति में बदल दिया है। आज वही बुजुर्ग अपनी देहरी पर बैठी बैंक सखी को देख मुस्करा उठता है, क्योंकि अब बैंक चलकर उसके घर तक आता है।

ग्रामीण बैंकिंग के इस मानवीय चेहरे का

सबसे जीवंत उदाहरण छिदगांव में देखने को मिलता है, जहाँ के वृद्ध हितग्राही रतन राम बघेल वृद्धावस्था के कारण चलने-फिरने में पूरी तरह असमर्थ हैं। ऐसे में बीसी सखी दशोमती कश्यप हर माह उनके घर जाकर पेंशन की राशि उनके हाथों में सौंपती हैं। अपनी इस सुविधा पर खुशी जाहिर करते हुए रतन राम बघेल कहते हैं कि बढ़ती उम्र और शारीरिक कमजोरी के कारण मेरे लिए बैंक तक जाना अब संभव नहीं रह गया था, पेंशन के पैसों के लिए हमेशा दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब दशोमती बेटी हर महीने घर आकर पैसे दे जाती है, जिससे मुझे बहुत सहारा मिला है।

बैंक और ग्रामीणों के बीच एक मजबूत कड़ी बनकर उभरीं जिले की इन 144 बीसी सखियों ने फरवरी महीने में 4 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय लेन-देन कर यह साबित कर दिया है कि यदि महिलाओं को अवसर और तकनीक मिले, तो वे पूरी अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल सकती हैं। इन बैंक सखियों ने न केवल बैंकिंग सेवाओं को सुलभ बनाया है, बल्कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभाई है। विशेष रूप से मातृत्व वंदना योजना के तहत 67 लाख रुपये से अधिक की राशि गर्भवती और धात्री माताओं तक पहुँचाकर इन सखियों ने स्वास्थ्य और पोषण की दिशा में भी बड़ा योगदान दिया है। इसके साथ ही बुजुर्गों की पेंशन और नरेगा मजदूरों की मजदूरी का भुगतान भी अब इन्हीं बैंक सखियों के माध्यम से गाँव में ही सुरक्षित तरीके से हो रहा है।

महिला सशक्तिकरण का सबसे सुंदर उदाहरण दरभा और बस्तर जैसे ब्लॉकों में देखने को मिला, जहाँ इन बैंक सखियों ने दिन-रात मेहनत कर हजारों ट्रांजैक्शन किए। लोहंडीगुड़ा और तोकापाल जैसे क्षेत्रों में भी सखियों ने बड़ी कुशलता के साथ लाखों रुपयों का प्रबंधन किया। यह केवल आंकड़ों की कहानी नहीं है, बल्कि उन 144 महिला शक्तियों के आत्मविश्वास की कहानी है जो अब खुद आत्मनिर्भर हैं और अपने गाँव के विकास का नेतृत्व कर रही हैं। बस्तर की इन बेटियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि डिजिटल इंडिया का असली चेहरा गाँवों की ये सशक्त बीसी सखियाँ ही हैं।

ज्ञान का महादानः 10 हजार से ज्यादा किताबें, युवाओं के सपनों को मिल रही नई उड़ान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। किताबें अब सिर्फ पन्नों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि हजारों युवाओं के सपनों को दिशा देने का माध्यम बन रही हैं। रायपुर में चल रही 'स्मृति पुस्तकालय योजना' जनभागीदारी की मिसाल बनते हुए तेजी से आगे बढ़ रही है, जहां लोग स्वेच्छा से किताबें और संसाधन दान कर भविष्य गढ़ने में जुटे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में संचालित इस योजना के तहत अब तक 10 हजार से अधिक पुस्तकें और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स एकत्र किए जा चुके हैं। इन संसाधनों का सीधा लाभ उन विद्यार्थियों को मिल रहा है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के

लिए संसाधनों के अभाव से जूझते हैं। इसी कड़ी में शासकीय महाविद्यालय भिलाई के पूर्व प्राचार्य किशोर कुमार अग्रवाल ने इतिहास, भौतिक शास्त्र और श्रीमद्भागवत गीता सहित 50 से अधिक पुस्तकें दान कर इस पहल को नई ऊर्जा दी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उनके इस योगदान की सराहना करते हुए सम्मानित किया और कहा कि इस तरह के प्रयास प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए सफलता का रास्ता आसान बना रहे हैं।

श्री अग्रवाल ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से मिली और समाज के लिए कुछ सकारात्मक करने की भावना से उन्होंने यह निर्णय लिया। उनका मानना है कि ये पुस्तकें जरूरतमंद छात्रों के लिए अवसर का दरवाजा खोलेंगी। जिला प्रशासन ने भी आम नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की है, ताकि ज्ञान का यह कारवां और आगे बढ़ सके।

यह पहल साबित कर रही है कि जब समाज मिलकर आगे आता है, तो संसाधनों की कमी भी सपनों के रास्ते की बाधा नहीं बनती—बल्कि वही कमी एक नई शुरुआत की प्रेरणा बन जाती है।

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा ने अश्लील कंटेंट पर जाहिर की चिंता

बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने को कहा

शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा ने अश्लील कंटेंट को लेकर सख्त नियम बनाने की मांग की है। बच्चों को भी सोशल मीडिया से दूर रखने की बात वह कह रहे हैं। राज कुंद्रा ने हालिया दिए एक गए एक इंटरव्यू में एक जरूरी मुद्दे पर बात की है। वह ऑनलाइन मौजूद अश्लील कंटेंट की तरफ लोगों और प्रशासन का ध्यान खींचना चाहते हैं। साथ ही इसे लेकर सख्त नियम बनाने की इच्छा भी जाहिर करते हैं। जानिए, इस मामले पर राज कुंद्रा ने क्या कहा?

अश्लील कंटेंट को लेकर कही बड़ी बात

पिछले दिनों क्रिकेटर हरभजन सिंह ने ऑनलाइन अश्लील वेबसाइट्स पर बैन लगाने और इसे लेकर सख्त नियम बनाने की बात कही थी। इसी बात को अब शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा भी कह रहे हैं। एएनआई से की गई बातचीत में वह कहते हैं, 'मैं एक ऐसे मुद्दे पर बात करना चाहता हूं जिस पर पूरे देश का तुरंत ध्यान जाना चाहिए। पिछले चार साल से मुझे ट्रोलिंग, नफरत और मीडिया ट्रायल का लगातार सामना करना पड़ा है। मेरी एक ऐसी छवि बना दी गई है जो असलियत से कोसों दूर है। लेकिन आज का मेरा यह बयान मेरे बारे में नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज की भलाई के लिए है।'

वह आगे कहते हैं, 'आज इंटरनेट पर मुफ्त, बिना किसी रोक-टोक वाला कंटेंट भरा पड़ा है। यह इंसान को गिराने वाला, लत लगाने वाला और आसानी से उपलब्ध भी है। यह सिर्फ एक नैतिक चिंता नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक चिंता है।'

सख्त कार्रवाई की मांग भी की

राज कुंद्रा ने आगे अश्लील कंटेंट पर रोक लगाने की बात कही। वह कहते हैं, 'भारत को सख्त नियम बनाने पर विचार करना चाहिए। जिसमें अश्लील वेबसाइटों पर बैन लगाना भी शामिल हो। ठीक वैसे ही जैसे यूएई जैसे देशों में किया गया है। 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगे। जिससे एक सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल माहौल बनाया जा सके।'

राज कुंद्रा पर लगे थे ये आरोप

बता दें कि साल 2021 में राज कुंद्रा पर एक मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए अश्लील सामग्री के सर्कुलेशन का आरोप लगा था। उन्हें इस कथित मामले में काननी मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा था। राज कुंद्रा ने इन आरोपों से इंकार किया था।

गलत सलाह के कारण गंवाया इम्तियाज अली का प्रोजेक्ट, डोनल बिष्ट ने सुनाई आपबीती

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम करना जितना ग्लैमरस दिखता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होता है। कई बार कलाकारों को लोगों की सलाह पर भरोसा करना महंगा पड़ जाता है। ऐसा ही एक अनुभव अभिनेत्री डोनल बिष्ट ने साझा किया, जिन्होंने बताया कि कैसे गलत मार्गदर्शन की वजह से वह मशहूर निर्देशक इम्तियाज अली के एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं बन सकीं। डोनल बिष्ट ने बताया कि उन्हें इम्तियाज अली के एक प्रोजेक्ट के लिए फाइनल शॉर्टलिस्ट किया गया था। वह इस प्रोजेक्ट के आखिरी राउंड तक पहुंच चुकी थीं और निर्देशक और उनकी टीम के साथ उनकी मीटिंग भी हो चुकी थी। यह उनके करियर का एक बड़ा मौका था, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित थीं और उन्हें पूरा भरोसा था कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस मीटिंग के बारे में पता चला, उन्होंने यह खुशखबरी अपने करीबियों के साथ साझा की। इस मौके को लेकर वह बेहद खुश थीं और उन्होंने इसे अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मान लिया था। लेकिन यहीं से उनके लिए मुश्किलें शुरू हो गईं, क्योंकि उनके आसपास के लोगों ने उन्हें अलग-अलग तरह की सलाह देना शुरू कर दिया।

डोनल ने कहा, लोगों ने बताया कि मीटिंग में कैसे बात करनी चाहिए, किन बातों को कहना है और किन चीजों से बचना है। मुझे यह भी भरोसा दिलाया गया कि अगर मैं इन सलाहों का मानती हूं, तो यह प्रोजेक्ट निश्चित रूप से मिल जाएगा। शुरुआत में मुझे लगा कि यह सब मेरे भले के लिए कहा जा रहा है, लेकिन बाद में यही सलाह मेरे लिए नुकसानदायक साबित हुई।

उन्होंने बताया, जब मैं मीटिंग में पहुंचीं, तो इन सभी बातों का असर मेरे व्यवहार में साफ नजर आया। मैं आत्मविश्वास के साथ अपनी बात नहीं रख पाई और कई जगह हिचकिचाती हुई दिखी। मेरे जवाबों में स्पष्टता की कमी थी, जिससे निर्देशक इम्तियाज अली और उनकी टीम को लगा कि मैं खुद ही अपने विचारों को लेकर असमंजस में हूं।

डोनल ने कहा, स्थिति इतनी उलझ गई कि टीम को मेरी हालत को लेकर चिंता होने लगी। बाद में मुझे कास्टिंग टीम और इंडस्ट्री के कुछ लोगों का फोन आया, जिन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं ठीक हूं, क्या मैं किसी मानसिक तनाव में हूं या कोई मुझे गलत दिशा में गाइड कर रहा है। इस पूरे अनुभव पर बात करते हुए डोनल ने कहा कि उस समय मैं लोगों की नीयत को समझ नहीं पाई। मुझे लगा कि सभी मेरी मदद करना चाहते हैं, लेकिन समय के साथ मुझे एहसास हुआ कि कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो आपको आगे बढ़ते हुए नहीं देखना चाहते।

उन्होंने कहा, ऐसे लोग आपके आसपास रहते हैं, आपका फायदा उठाते हैं और जब उनका काम पूरा हो जाता है, तो आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं। यह अनुभव मेरे लिए एक जरूरी सबक साबित हुआ। इस घटना ने मुझे सिखाया कि करियर और जिंदगी से जुड़े फैसले खुद ही लेने चाहिए। खासकर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में, जहां हर निर्णय बहुत महत्वपूर्ण होता है, वहां अपने दिल और दिमाग पर भरोसा करना जरूरी है।

शिल्पा शिरोडकर ने नए प्रोजेक्ट्स को लेकर की खुलकर बात, बोलीं- 'मुझे और काम चाहिए...'

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर ने हाल ही में नए प्रोजेक्ट्स की तलाश के बारे में खुलकर बात की। वह आखिरी बार फिल्म 'जटाधरा' में नजर आई थीं।

शिल्पा शिरोडकर ने 'बिग बॉस 18' में शानदार खेल दिखाया। इसके बाद उन्होंने सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू के साथ फिल्म 'जटाधारा' में काम किया। शिल्पा ने अपनी आने वाली फिल्म और सीरीज को लेकर बातचीत की और साथ ही कहा कि वह और काम करना चाहती हैं।

शिल्पा को चाहिए काम

हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड के साथ एक इंटरव्यू में शिल्पा ने अपनी आने वाली परियोजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे काम चाहिए।' उन्होंने बताया कि वो एक वेब सीरीज कर रही हैं औक एक फिल्म भी कर रही हैं, जिसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होगी। उन्होंने बताया कि वह साल के आखिर तक व्यस्त रहेंगी। लेकिन उन्हें और काम चाहिए।

लोगों से मांगती हैं काम

शिल्पा ने ये भी बताया कि वो लोगों से मिलती हैं या उनका नंबर होता है तो बिना झिझक के काम मांगती हैं। वो उन लोगों से कहती हैं, 'भाई, मुझे काम चाहिए, कोई अच्छा प्रोजेक्ट हो तो दे दो।' उन्हें लगता है कि काम मांगने में कोई बुराई नहीं है।

सोशल मीडिया रहती हैं एक्टिव

शिल्पा इंस्टाग्राम पोस्ट करके अपने सभी फैंस को खुश कर देती हैं। हाल ही में उन्होंने 'बिग बॉस 18' के अपने अच्छे दोस्त चुम और करण वीर मेहरा के साथ एक फोटो शेयर की। तीनों पारंपरिक कपड़ों में दिखे और कैप्शन था, 'मेरे सभी चमवीर के लिए'। फैंस अब उनकी नई फिल्मों और वेब सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या है शिल्पा का महेश बाबू से रिश्ता

शिल्पा शिरोडकर, 90 के दशक की प्रसिद्ध अभिनेत्री है। शिल्पा तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर की बहन हैं। शिल्पा की छोटी बहन नम्रता शिरोडकर की शादी महेश बाबू से हुई है, जिससे वे दोनों करीबी रिश्तेदार बन गए।

कार्तिक आर्यन बनेंगे किकबॉक्सिंग के कोच बायोपिक के लिए कबीर खान से मिलाया हाथ

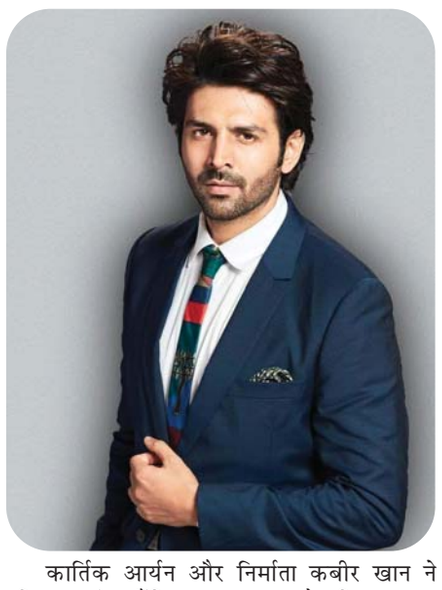

कार्तिक आर्यन और निर्माता कबीर खान ने फिल्म चंदू चैंपियन (2024) के लिए पहला सहयोग किया था। इस स्पोर्ट्स-ड्रामा ने चर्चाएं तो खूब बटोरी थीं, लेकिन दर्शकों का दिल जीतने में नाकामयाब रही। यही कारण है कि कार्तिक और कबीर पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं, और एक नई फिल्म के लिए दोबारा साथ आ रहे हैं। खबर है कि यह आगामी फिल्म खेल-ड्रामा से प्रेरित होगी जिसमें कार्तिक एक कोच की भूमिका में नजर आ सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता कबीर ने 16 मार्च को परेल के एक रेस्टोरेंट में अपनी अनाम खेल-ड्रामा फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले ही दिन लगभग 70 जूनियर कलाकारों के साथ शूटिंग शेड्यूल पूरा किया गया। बताया जाता है कि फिल्म कश्मीरी किकबॉक्सिंग प्रतिभा तजामुल इस्लाम से प्रेरित होगी। इसमें किकबॉक्सिंग स्टार का किरदार निभाने वाले अभिनेता की पहचान को फिलहाल गुप्त रखा गया है, लेकिन खबरों की मानें तो कार्तिक फिल्म में उनके कोच की भूमिका निभाएंगे।

परियोजना से जुड़े एक सूत्र ने बताया, शुरुआती दृश्यों में कहानी को रोजमर्रा की जिंदगी के छोटे-छोटे पहलुओं से जोड़ा गया है। कार्तिक हफ्ते के आखिर तक शूटिंग में शामिल हो जाएंगे। वह इस भूमिका के लिए किकबॉक्सिंग की ट्रेनिंग ले रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि मुंबई में करीब 2 हफ्ते शूटिंग करने के बाद निर्माता कश्मीर रवाना होंगे, क्योंकि ताजामुल इस्लाम वहीं से हैं। वह भारत की सबसे कम उम्र में 2 बार की विश्व किकबॉक्सिंग चैंपियन हैं।

जगद्धात्री में आग वाला सीन बिल्कुल भी आसान नहीं था, सोनाक्षी बत्रा ने बताया शूटिंग का अनुभव

टीवी की दुनिया में इन दिनों दर्शकों को बांधे रखने के लिए मेकर्स लगातार नई-नई कहानी और रोमांचक सीन लेकर आ रहे हैं। ऐसा ही कुछ टीवी शो जगद्धात्री में देखने को मिला, जहां होली के खास मौके पर एक बेहद खतरनाक और भावनात्मक सीन फिल्माया गया।

इस सीन ने न सिर्फ कहानी को नया मोड़ दिया, बल्कि कलाकारों के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती साबित हुआ। इस शो में मुख्य भूमिका निभा रहीं सोनाक्षी बत्रा ने इस खतरनाक सीन की शूटिंग का अनुभव साझा किया। कहानी के मुताबिक, होली के जश्न के दौरान तपस्या, जिसका किरदार येशा हरसोरा निभा रही हैं, अपनी साजिश को अंजाम देती है। उसकी इस चाल का असर माया की बेटी गुंजन पर पड़ता है, इस रोल में परी भानुशाली हैं। अचानक माहौल में अफरा-तफरी मच जाती है और गुंजन आग की लपटों में फंस जाती है। गुंजन को बचाने के लिए जगद्धात्री और शिवाय, जिसका किरदार फरमान हैदर निभा रहे हैं, आगे आते हैं। सीन का सबसे रोमांचक पल तब आता है जब जगद्धात्री हिम्मत दिखाते हुए आग में कूद जाती है और गुंजन को बाहर निकाल लेती है। यह पूरा सीन दर्शकों को स्क्रीन से बांधे रखता है।

इस सीन की शूटिंग को लेकर सोनाक्षी बत्रा ने बताया कि उनके लिए यह अनुभव काफी चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार रहा। उन्होंने कहा,जगद्धात्री का किरदार निभाना मेरे लिए एक खास सफर रहा है और समय के साथ मुझे एक्शन सीन करना पसंद आने लगा है। आग वाला सीन बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि इसमें ज्यादा सावधानी और सटीकता की जरूरत होती है। हर कदम सोच-समझकर उठाना पड़ता है, ताकि किसी भी तरह का खतरा न हो।

सोनाक्षी ने खासतौर पर अपनी को-स्टार परी भानुशाली की तारीफ की। उन्होंने कहा, इतनी छोटी उम्र में भी परी बहुत समझदार हैं और सेट पर दिए गए हर निर्देश को ध्यान से सुनती हैं। यही वजह है कि उनके साथ शूटिंग करना आसान हो जाता है। आग जैसे खतरनाक सीन के दौरान भी परी ने पूरी सतर्कता के साथ काम किया, जिससे पूरी टीम को काफी मदद मिली। उन्होंने आगे कहा, इस सीन के दौरान मैं खुद भी काफी सतर्क थी, क्योंकि मेरे साथ एक बच्ची थी और उसकी सुरक्षा मेरे लिए पहली जिम्मेदारी थी। शूटिंग के समय मेरे मन में यही था कि परी पूरी तरह सुरक्षित रहे। प्रोडक्शन टीम ने भी सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम किए थे और हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा गया था, जिससे यह सीन बिना किसी परेशानी के पूरा हो सका।

आने वाले एपिसोड में कहानी और भी ज्यादा रोमांचक होने वाली है। होली के जश्न के बीच एक और बड़ा मोड़ आएगा, जब रुद्र की जलन खतरनाक रूप लेगी और वह अपने सौतेले भाई शिवाय को गोली मार देगा। इसके बाद जगद्धात्री और देशमुख परिवार शिवाय को अस्पताल लेकर जाएंगे और उसकी जान बचाने की कोशिश करेंगे। यह नया ट्विस्ट दर्शकों के लिए और भी ज्यादा सस्पेंस और उत्साह लेकर आने वाला है।

सनस्क्रीन लगाते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, मिलेगा भरपूर फायदा

सनस्क्रीन का इस्तेमाल त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने में मदद कर सकता है। हालांकि, सनस्क्रीन का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है ताकि यह अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर सके। सही तरीके से सनस्क्रीन लगाने से त्वचा को न केवल धूप से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है, बल्कि यह त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में भी सहायक है। आइए जानते हैं कि सनस्क्रीन लगाते समय क्या ध्यान रखना चाहिए।

सही मात्रा में लगाएं सनस्क्रीन

सनस्क्रीन की सही मात्रा का उपयोग करना बहुत जरूरी है। चेहरे और गर्दन के लिए लगभग एक अंडे के आकार की मात्रा का उपयोग करें। इसके अलावा हाथों, पैरों और अन्य खुली त्वचा के हिस्सों पर भी उचित मात्रा में सनस्क्रीन लगाएं। सही मात्रा में सनस्क्रीन लगाने से आपकी त्वचा को धूप की हानिकारक किरणों से बचाने में मदद मिलती है और आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार रहती है।

समय-समय पर लगाएं सनस्क्रीन

सनस्क्रीन को समय-समय पर लगाना भी बहुत जरूरी है। अगर आप लंबे समय तक धूप में रहते हैं तो हर 2-3 घंटे बाद अपनी त्वचा पर सनस्क्रीन लगाएं, खासकर अगर आप पसीना बहा रहे हैं या तैराकी कर रहे हैं तो अधिक बार सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। यह आपकी त्वचा को लगातार सुरक्षा प्रदान करेगा और आपको सूरज की हानिकारक किरणों से बचाए रखेगा। सही समय पर सनस्क्रीन लगाने से आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहती है।

सही तरीके से लगाएं सनस्क्रीन

सनस्क्रीन लगाने का सही तरीका भी बहुत अहम है। इसे लगाते समय हल्के हाथों से मालिश करें ताकि यह अच्छी तरह से त्वचा में समा जाए। उंगलियों से धीरे-धीरे दबाते हुए लगाएं ताकि सनस्क्रीन पूरी तरह से त्वचा में समा जाए। इसके अलावा ध्यान रखें कि खासकर नाक, कान, गर्दन और हाथों पर अच्छी तरह से सनस्क्रीन लगे क्योंकि ये हिस्से अक्सर धूप के सीधे संपर्क में आते हैं।

मौसम और गतिविधियों के अनुसार चुनें सही सनस्क्रीन

मौसम और आपकी गतिविधियों के अनुसार सही सनस्क्रीन का चयन करना जरूरी है। अगर आप बाहर ज्यादा समय बिताते हैं तो उच्च सुरक्षा वाली सनस्क्रीन चुनें। इसके अलावा अगर आप पसीना बहाने वाली गतिविधियां करते हैं या तैराकी करते हैं तो पानी में टिकाऊ सनस्क्रीन का उपयोग करें। सही सनस्क्रीन चुनने से आपकी त्वचा को अधिकतम सुरक्षा मिलती है और आप सूरज की हानिकारक किरणों से सुरक्षित रहते हैं।

मेकअप के ऊपर भी लगाएं सनस्क्रीन

अगर आपने मेकअप कर रखा हो तो उसके ऊपर भी सुरक्षा देने वाला प्रोडक्ट लगाना सुनिश्चित करें। इसके लिए स्प्रे फॉर्मूला या टच-अप पाउडर का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिनमें सुरक्षा तत्व होते हैं। यह न केवल आपके मेकअप को सेट करेगा बल्कि अतिरिक्त सुरक्षा भी प्रदान करेगा। इन सरल लेकिन प्रभावी सुझावों को अपनाकर आप अपनी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं और स्वस्थ रख सकते हैं।

खास खबर

शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ

कोरिया। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ मंगलवार को ग्राम ओडगी स्थित टीकाकरण केंद्र में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी रहीं, जिन्होंने अभियान की शुरुआत की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने बताया कि यह अभियान 17 मार्च से 21 अप्रैल 2026 तक जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत 9 माह से 59 माह तक के बच्चों को विटामिन-ए सिरप पिलाया जाएगा तथा 6 माह से 59 माह तक के बच्चों को आयरन एवं फोलिक एसिड सिरप वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान एनीमिया की जांच, स्तनपान संबंधी जागरूकता गतिविधियां तथा ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस एवं टीकाकरण सेवाओं को भी सुदृढ़ किया जाएगा। अभियान निर्धारित तिथियों 17, 20, 24, 27 और 30 मार्च तथा 2, 7, 10, 17 एवं 21 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को नजदीकी टीकाकरण केंद्र में लाकर इस अभियान का लाभ दिलाएं।

फ्लोरोसिस प्रभावित ग्राम घोड़ागांव में स्क्रीनिंग व हेल्थ कैंप का आयोजन

कोण्डागांव। राष्ट्रीय फ्लोरोसिस रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के फ्लोरोसिस प्रभावित ग्राम घोड़ागांव में एक दिवसीय हेल्थ चेकअप एवं फ्लोरोसिस स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी के निर्देशन तथा जिला नोडल अधिकारी डॉ. आर. सोनल ध्रुव एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भावना महलवार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा मितानिन कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान जिला सलाहकार जोनाथन विनय द्वारा स्कूली बच्चों को फ्लोरोसिस से संबंधित जानकारी एवं बचाव के उपाय बताए गए।

जल अर्पण एवं जल उत्सव पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित

कोण्डागांव। विकासखण्ड कोंडागांव अंतर्गत ग्राम पंचायत हसलनार में सोमवार को जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जल अर्पण एवं जल उत्सव पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम की महिलाओं, स्व सहायता समूहों तथा ग्राम जल स्वच्छता समिति की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को जल संरक्षण, स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर 'ग्राम जल स्वच्छता समिति, ''स्वय सहायता समूह' तथा 'जल वाहिनी से जुड़ी महिलाओं' को उनके सराहनीय योगदान के लिए 'सम्मानित' किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की भूमिका को सम्मान देना तथा जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना था।

मुख्यमंत्री साय के विभागों के लिए 10 हजार 617 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान मांगें पारित

- हमारी सरकार संकल्पित भाव से छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा में जुटी
- सरकार ने दो वर्षों में 11 हजार 107 करोड़ रुपए की सिंचाई परियोजनाएं की स्वीकृत
- नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी विकास का पहुंच रहा है उजाला
- आम जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा अब सीधे जनकल्याण में हो रहा खर्च

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विभागों से संबंधित 10 हजार 617 करोड़ 73 लाख 49 हजार रूपए की अनुदान मांगे विधानसभा में पारित की गई। प्रशासन विभाग के लिए 612 करोड़ 29 लाख 20 हजार रूपए, सामान्य प्रशासन विभाग से संबंधित अन्य व्यय 30 करोड़ 92 लाख रूपए, जल संसाधन विभाग के लिए 3 हजार 105 करोड़ 11 लाख 80 हजार रूपए, खनिज साधन विभाग से संबंधित व्यय 1145 करोड़ 89 लाख 99 हजार रूपए, विमानन विभाग से संबंधित व्यय 314 करोड़ 99 लाख 90 हजार रूपए, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग 416 करोड़ 99 लाख 99 हजार रूपए, सुशासन एवं अभिसरण विभाग से संबंधित व्यय 77 करोड़ रूपए, जनसम्पर्क विभाग से संबंधित व्यय 469 करोड़ 99 लाख रूपए, ऊर्जा विभाग से संबंधित व्यय 4236 करोड़ 01 लाख 61 हजार रूपए, जिला परियोजनाओं से संबंधित व्यय 208 करोड़ 50 लाख रूपए शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अनुदान मांगों की चर्चा के जवाब में कहा कि पिछले दो वर्षों से राज्य सरकार संकल्पित भाव से छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा में जुटी है और विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में यात्रा प्रारंभ हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को साकार करने में बजट प्रबंधन की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में अपने विभागों से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान कहा कि पहले दो बजटों की थीम 'ज्ञान' और 'गति' थी, जबकि इस बार बजट की थीम 'संकल्प' रखी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस और डिजिटल गवर्नेंस की नीति अपनाकर व्यवस्थागत लिकेज समाप्त किए हैं, जिसके कारण आम जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा अब सीधे जनकल्याण में खर्च हो रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में आबकारी विभाग का राजस्व 5 हजार 110 करोड़ रुपए था, जो वर्तमान सरकार में बढ़कर 11 हजार करोड़ रुपए अनुमानित है। यह अंतर फर्जीवाड़े पर रोक लगने के कारण आया है।

मुख्यमंत्री साय ने नक्सलवाद के विरुद्ध चल रहे अभियान को लोकतंत्र की बड़ी जीत बताते हुए कहा कि राज्य सरकार ने माओवादी आतंकवाद के अंत का लक्ष्य तय कर उसी दिशा में प्रभावी कार्य किया है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर लोकतंत्र और संविधान पर विश्वास जताया है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए उत्सव का क्षण बताया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन, जवानों की वीरता और प्रदेशवासियों के विश्वास से राज्य माओवादी हिंसा के अंधकार से बाहर निकल रहा है। अब नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक तंत्र को मजबूत कर शांति, पुनर्निर्माण और समग्र विकास के लक्ष्य को साकार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश के आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में खनिज राजस्व की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021-22 में 12 हजार 305 करोड़ रुपए रहा वहीं वर्ष 2024-25 में खनिज राजस्व बढ़कर 14 हजार 592 करोड़ रुपए हो गया है, जो राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 11 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंत तक 17 हजार करोड़ रुपए राजस्व प्राप्ति का अनुमान है। उन्होंने कहा कि इस अतिरिक्त राजस्व का उपयोग किसानों, माताओं-बहनों और आम नागरिकों के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं में किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डीएमएफ को पुन: पारदर्शी बनाते हुए दो वर्षों में 4 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्राप्त हुई और 19 हजार से अधिक कार्य स्वीकृत किए गए। डीएमएफ कार्यों का सोशल ऑडिट भी कराया जा रहा है तथा शिकायत निवारण तंत्र विकसित किया गया है। खनिज ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया को भी गति दी गई है और अब तक 62 ब्लॉकों की सफल नीलामी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि रेयर अर्थ, क्रिटिकल और स्ट्रैटजिक खनिजों के अन्वेषण के लिए प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों से एमओयू किए गए हैं, जिससे क्लीन एनर्जी और नए निवेश के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुव्यवस्थित खनन के साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य के कुल वन क्षेत्र के मात्र 0.96 प्रतिशत क्षेत्र में खनिज रियायतें स्वीकृत हैं और केवल 0.24 प्रतिशत वन क्षेत्र में ही खनन कार्य की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि खनन कार्यों के एवज में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया है और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत दो वर्षों में करीब 7 करोड़ पौधे लगाए गए हैं। भारतीय वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में वन एवं वृक्ष आवरण में 683 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि खनिज विभाग में पारदर्शिता के लिए 'खनिज ऑनलाइन 2.0' पोर्टल तथा डीएमएफ पोर्टल 2.0 लागू किया गया है। आम जनता को रियायती दरों पर रेत उपलब्ध कराने और माफिया पर अंकुश लगाने के लिए छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत नियम 2025 लागू किए गए हैं।

स्कूलों में बढ़ती चुनौतियों पर सख्त रुख
पुलिस-प्राचार्य बैठक में तय हुई नई रणनीति

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदाबाजार। स्कूलों में अनुशासनहीनता, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और खतरनाक स्टंट जैसी घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए बलौदाबाजार पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता की मौजूदगी में आयोजित संयुक्त बैठक में साफसंकेत दिया गया कि अब स्कूलों में सुरक्षा और अनुशासन को लेकर कोई समझौता नहीं होगा।

पुलिस कम्युनिटी हॉल में आयोजित इस बैठक में जिलेभर के करीब 130 प्राचार्य और प्रभारी प्राचार्य शामिल हुए। बैठक का केंद्र बिंदु छात्रों के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करना, अपराध की प्रवृत्तियों को शुरुआती स्तर पर रोकना और पुलिस, स्कूल व अभिभावकों के बीच मजबूत समन्वय स्थापित करना रहा।

पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने प्राचार्यों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे छात्रों की गतिविधियों, व्यवहार और आदतों पर लगातार नजर रखें। उन्होंने कहा कि स्कूल केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण का सबसे अहम स्थान है, इसलिए शिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने चेताया कि शाला प्रवेश या विदाई जैसे आयोजनों के नाम पर स्टंट और नियमों की अवहेलना किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में सामने आया कि स्कूलों में छात्रों द्वारा चाकू जैसे धारदार हथियार लाना, नशे की सामग्री का उपयोग, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना और सोशल मीडिया के लिए खतरनाक वीडियो बनाना जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए स्कूल बैग की आकस्मिक जांच, संदिग्ध व्यवहार वाले छात्रों की नियमित काउंसलिंग, अभिभावकों के साथ संवाद और स्कूल परिसरों में सीसीटीवी निगरानी बढ़ाने जैसे उपायों पर सहमति बनी।

भोरमदेव महोत्सवः 400 जवानों की तैनाती, ड्रोन- सीसीटीवी से निगरानी

श्रीकंचनपथ समाचार

कबीरधाम। भोरमदेव महोत्सव 2026 को लेकर कबीरधाम पुलिस ने सुरक्षा के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए हैं कि पूरे मेला क्षेत्र को मानो सुरक्षा कवच में तब्दील कर दिया गया है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और उत्सव के दौरान संभावित अव्यवस्थाओं को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह हाई अलर्ट मोड में नजर आ रहा है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (आईपीएस) के नेतृत्व में तैयार की गई रणनीति के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल और अमित पटेल सहित वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में 400 से अधिक पुलिस बल को तैनात किया गया है। मेला परिसर के चप्पे-चप्पे पर वर्दीधारी जवानों के

साथ-साथ सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी भी नजर रख रहे हैं, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रवेश व्यवस्था को भी पूरी तरह बदला गया है। आम श्रद्धालुओं, वीआईपी, मीडिया, कलाकारों और मंचीय अतिथियों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार और पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जिससे अव्यवस्था और भगदड़ जैसी स्थिति से बचा जा सके।

तकनीक का भी सहारा लिया गया है। पूरे मेला क्षेत्र पर ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी की पैनी नजर बनी हुई है। संवेदनशील स्थानों को विशेष निगरानी में रखा गया है, वहीं कंट्रोल रूम से हर गतिविधि पर लगातार नजर रखी जा रही है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया टीमों को भी सक्रिय रखा गया है। कबीरधाम पुलिस ने साफ संदेश दिया है कि महोत्सव में किसी भी तरह की शरारत, छेड़छाड़, चोरी या उपद्रव करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे तत्वों के खिलाफ तुरंत सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे शांति और अनुशासन बनाए रखें, अफवाहों से बचें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। प्रशासन का दावा है कि इस बार भोरमदेव महोत्सव पूरी तरह सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए हर स्तर पर मजबूत इंतजाम किए गए हैं, जिससे आमजन का भरोसा और भी मजबूत हो सके।

फाफाडीह मंडल में महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कृतिका जैन का स्वागत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भाजपा फाफाडीह मंडल महिला मोर्चा के नेतृत्व में रायपुर शहर की नव नियुक्त महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कृतिका जैन के प्रथम मंडल आगमन पर स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर महिला मोर्चा फाफाडीह मंडल द्वारा विगत वर्षों में किए गए सफल कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, MIC सदस्य व पार्षद महेंद्र खोडियार, महिला मोर्चा की पूर्व जिला अध्यक्ष सीमा संतोष साहू, राजीव गांधी वार्ड के पूर्व पार्षद तिलक पटेल, फाफाडीह मंडल अध्यक्ष जितेंद्र गडेचा, पूर्व अध्यक्ष गोरेलाल नायक, पूर्व महामंत्री गोपाल ठाकरे, युवा मोर्चा अध्यक्ष योगी नरेश साहू, महिला मोर्चा की पूर्व प्रभारी एवं मंडल उपाध्यक्ष पल्लवी भोसले, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष दीपेश निर्मलकर, मंडल की वरिष्ठ नेत्री मुरली नायडू, किरण देवांगन, अनीता महानंद, मोहित बाघ सहित महिला मोर्चा की सभी पदाधिकारी, बहनें एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी की उपस्थिति से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसके लिए आयोजकों ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बेटी ने निभाया बेटे का फर्ज, मां को कंधा देकर दी मुखाग्नि

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। जिले के परसाही गांव से एक भावुक और प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई, जहां एक बेटी ने सामाजिक परंपराओं को तोड़ते हुए अपनी मां को अंतिम विदाई दी। आमतौर पर अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी बेटे निभाते हैं, लेकिन यहां बेटी ने खुद आगे बढ़कर यह कर्तव्य निभाया।

जानकारी के अनुसार, ग्राम परसाही निवासी 70 वर्षीय भूरी बाई चौहान का निधन हो गया। उनके परिवार में दो बेटियां हैं। मां के निधन के बाद जहां पूरा परिवार शोक में डूबा था, वहीं बेटा न होने की स्थिति में बड़ी बेटी ने साहस दिखाते हुए अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी उठाई।

बड़ी बेटी ने अपनी छोटी बहन के साथ मिलकर सभी धार्मिक रीति-रिवाज पूरे किए। दोनों बहनों ने मां की अर्थी को कंधा दिया और श्मशान घाट तक ले गईं। इसके बाद बड़ी बेटी ने नम आंखों से अपनी मां को मुखाग्नि दी।

इस दौरान मौजूद लोग इस दृश्य को देखकर भावुक हो उठे। हर किसी की आंखें नम थीं और माहौल बेहद संवेदनशील हो गया था। परिवार के करीबियों का कहना है कि भूरी बाई ने अपनी बेटियों को हमेशा बेटे की तरह पाला और उन्हें मजबूत बनने की सीख दी। यही संस्कार इस कठिन समय में सामने आए, जब बेटी ने बिना झिझक अपनी मां के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी निभाई।

यह घटना समाज को एक मजबूत संदेश देती है कि जिम्मेदारियां निभाने में बेटियां किसी से कम नहीं हैं और वे हर परंपरा को बदलने का साहस रखती हैं।

जशपुर में एचपीवी टीकाकरण अभियान व शिशु संरक्षण माह का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। जिले में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए एचपीवी टीकाकरण अभियान तथा शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ किया गया। जिला चिकित्सालय जशपुर में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत के आतिथ्य में दोनों अभियानों की शुरुआत हुई।

स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों एवं किशोरी बालिकाओं को समय पर टीकाकरण कराकर इन अभियानों का लाभ अवश्य लें, ताकि भविष्य में गंभीर बीमारियों से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक मुकेश सोनी, डॉ. विपिन इंदवार , सिविल सर्जन डॉ. कपिलदेव कश्यप , डॉ. आर.एस. पैंकरा, डॉ. अनुभा, राजेश कुरील, वीसीसीएम राजेश , एएनएम अनिता सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, मितानिन एवं आमजन मौजूद रहे।

जिले की किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान जिले में पहला एचपीवी टीका भागलपुर जशपुर निवासी कुमारी साक्षी सोनवानी को लगाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी तथा 15 वर्ष से कम आयु की किशोरियों को नि:शुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई जाएगी। इसके लिए जिला अस्पताल सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जिले में इस अभियान के लिए 9638 किशोरियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जबकि प्रथम चरण में 3085 डोज वैक्सीन प्राप्त हुई है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन का शुभारंभ राष्ट्रीय स्तर पर 28 फरवरी 2026 को किया गया है। यह टीका गर्भाशय ग्रीवा कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) से बचाव में अत्यंत प्रभावी है और समय पर टीकाकरण से इस गंभीर बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जिले में कैंसर के 10 संदिग्ध प्रकरण सामने आए हैं, जिनमें सर्वाइकल कैंसर एवं ब्रेस्ट कैंसर के एक-एक मरीज की पुष्टि हुई है, जिनका उपचार जारी है।

इसी अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत द्वारा एक बच्चे को विटामिन ए की खुराक पिलाकर शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन एवं जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा भी बच्चों को विटामिन ए एवं आयरन सिरप पिलाया गया।

जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि शिशु संरक्षण माह का आयोजन 17 मार्च से 21 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। इस दौरान प्रति मंगलवार एवं शुक्रवार को वीएचएनडी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक एवं आयरन सिरप पिलाकर प्रतिरक्षित किया जाएगा। शिशु संरक्षण माह के दौरान बच्चों को विटामिन ए एवं आयरन सिरप देने के साथ-साथ टीकाकरण, वजन मापन, आयु अनुसार पोषण आहार की जानकारी तथा पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया जाएगा। गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कर उपचार भी सुनिश्चित किया जाएगा। जिले में इस अभियान के अंतर्गत कुल 81,865 बच्चों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए कुल 2672 सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें पत्थलगांव, फरसाबहार, कांसाबेल, बगीचा, कुनकुरी, दुलदुला, लोदाम और मनोरा विकासखंड शामिल हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि विटामिन ए अनुपूरण और एनीमिया नियंत्रण से बाल मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। साथ ही कुपोषण नियंत्रण, शीघ्र एवं पूर्ण स्तनपान तथा समय पर पूरक आहार से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार संभव है।

अब नहीं तय करनी पड़ती लंबी दूरी घर में मिल रहा स्वच्छ पानी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। कभी हर सुबह पानी की चिंता से शुरू होने वाला दिन, आज राहत और मुस्कान के साथ बीत रहा है-यह बदलाव है ग्राम किरीतमाल की तनूजा यादव के जीवन का। जहां एक समय पानी के लिए लंबी दूरी तय करना उनकी मजबूरी थी, वहीं आज उसी घर में नल से मिल रहा स्वच्छ पानी उनके जीवन में नई उम्मीद, सुविधा और सम्मान लेकर आया है। शासन की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन ने न केवल उनके घर तक पानी पहुंचाया, बल्कि उनके जीवन की दिशा ही बदल दी।

जिला रायगढ़ के विकासखंड खरसिया से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम किरीतमाल में रहने वाली श्रीमती तनूजा यादव का जीवन कुछ साल पहले तक पानी की भारी समस्या से जूझ रहा था। एक साधारण किसान परिवार की गृहिणी तनूजा यादव के लिए हर दिन की शुरुआत पानी की चिंता के साथ होती थी। गांव में सीमित हैंडपंप ही पानी का एकमात्र सहारा थे, जिनसे पानी लाने के लिए उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। कई बार दिन में दो से तीन बार पानी भरने जाना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुका था। गर्मियों के मौसम में हालात और भी कठिन हो जाते थे- कभी हैंडपंप सूख जाते, तो कभी लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ता। इस संघर्ष का असर केवल उनके समय और मेहनत पर ही नहीं, बल्कि परिवार की दिनचर्या और बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ता था। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई जल जीवन मिशन योजना, किरीतमाल गांव के लिए उम्मीद की किरण बनकर आई। इस योजना के तहत गांव में पाइपलाइन बिछाई गई और हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचाया गया।

खास खबर

मारपीट में गई जानः पत्नी, 3 साली व साढ़ू गिरफ्तार

जशपुरनगर। जिले के थाना नारायणपुर अंतर्गत ग्राम प्रेमनगर केराडीह में सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा हुआ है। पुलिस ने युवक की हत्या के आरोप में पत्नी, तीन सालियों और साढ़ू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आपसी विवाद के बाद हुई मारपीट में आई गंभीर चोटों के कारण युवक ने दम तोड़ दिया था। केराडीह निवासी सुनील राम ने करीब छह महीने पहले कांसाबेल निवासी मीरा बाई (20) से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद पति-पत्नी के बीच अक्सर किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता रहता था। इस दौरान 1 मार्च को दोनों के बीच एक बार फिर जमकर विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि पत्नी मीरा बाई ने मायके पक्ष के रिश्तेदारों को बुला लिया। मीरा बाई, उसकी बहनों और जीजा ने मिलकर सुनील राम के साथ हाथ-मुक्के से जमकर मारपीट की। मारपीट की घटना के दो दिन बाद 3 मार्च को सुनील की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। उसने अपनी मां पार्वती बाई से शिकायत की कि उसके शरीर में असहनीय दर्द हो रहा है। मां ने उसे पानी पिलाया और दर्द से राहत दिलाने के लिए उसकी मालिश करनी शुरू की। इसके कुछ देर बाद ही सुनील ने दम तोड़ दिया। पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। शव पंचनामा के बाद पीएम के लिए भेजा गया। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि उसकी मौत अंदरुनी चोटों के कारण हुई है, जो हत्या की श्रेणी में आता है। पुलिस ने मामला दर्ज किया।

अपहरण कर दुष्कर्म किया आरोपी को बिहार से दबोचा

जशपुरनगर। जशपुर पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती कर नाबालिग बालिकाओं को बहला-फुसलाकर भगाने के एक और मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। नारायणपुर थाना क्षेत्र की एक 16 वर्षीय छात्रा को शादी का झांसा देकर बिहार ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले 21 वर्षीय आरोपी अविनाश कुमार साहनी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। घटना 20 जनवरी को सामने आई, जब प्रार्थी ने अपनी नाबालिग बेटी को स्कूल छोड़ा था, लेकिन वह शाम तक घर वापस नहीं लौटी। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज किया। जांच के दौरान, तकनीकी टीम और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर पता चला कि पीड़िता बिहार के सीतामढ़ी जिले में आरोपी अविनाश के पास है। पुलिस ने सीतामढ़ी से नाबालिग को बरामद किया और आरोपी जशपुर वापस लाई। प्रारंभिक पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि पीड़िता और आरोपी की पहचान सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। आरोपी उसे अपने साथ भगा लिया था और बिहार में उसके साथ शारीरिक शोषण किया। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

पंजाब नेशनल बैंक की लाइट बंद कर लॉकर रूम तक पहुंच गए थे चोर

रायगढ़। शहर के जूट मिल थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात पुलिस की सतर्कता से बैंक चोरी की वारदात टल गई। रात्रि गश्त पर निकले दो आरक्षकों ने बैंक के बाहर संदिग्ध कार और बंद लाइट देखकर संदेह जताया। जैसे ही वे बैंक की ओर बढ़े, अंदर मौजूद बदमाश कार में बैठकर फरार हो गए। जूट मिल थाना की पेट्रोलिंग टीम रोजाना की तरह क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दौरान आरक्षक परमानंद पटेल और समीर बेक अपने निजी वाहन से कोड़ातराई की ओर जा रहे थे। रास्ते में पटेल पाली स्थित पंजाब नेशनल बैंक के बाहर एक संदिग्ध चारपहिया वाहन खड़ी दिखाई दी। बैंक परिसर की लाइट बंद होने और वाहन की मौजूदगी से उन्हें शक हुआ। आक्षकों ने तुरंत जूट मिल थाना प्रभारी और पेट्रोलिंग में लगे प्रधान आरक्षक को सूचना दी। आरोपियों ने बैंक के दो डीवीआर निकाल लिए, बाहरी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया और बैंक के चेस्ट व लॉकर से लगी दीवार को तोड़ने की कोशिश की थी।

घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग को रोकने सख्त कार्रवाई

214 छापे और 1013 सिलेंडर जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में घरेलू एलपीजी की उपलब्धता और उपभोक्ताओं तक उसकी नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य शासन द्वारा सतत निगरानी और समीक्षा की जा रही है। घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग को रोकने के लिए खाद्य विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। अब तक 214 छापों में 1013 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त किए जा चुके हैं, जिनमें रायपुर जिले में सर्वाधिक 392 तथा बिलासपुर जिले में 201 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। यह कार्रवाई सुनिश्चित करती है कि घरेलू गैस का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही हो और आम उपभोक्ताओं को उसका पूरा लाभ मिल सके।

खाद्य सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले ने खाद्य संचालक तथा सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों ऑयल कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ 17 मार्च 2026 को समीक्षा बैठक लेकर घरेलू एलपीजी की ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था को और अधिक सुलभ बनाने के लिए व्हॉट्सएप नंबर, मोबाइल नंबर, आईवीआरएस और वेबसाइट यूआरएल के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए। उन्होंने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा जारी नए बुकिंग नंबर (मोबाइल 8927225667 एवं आईवीआरएस 8391990070) को भी आमजन तक पहुँचाने पर विशेष जोर दिया गया।

खाद्य सचिव कंगाले ने ने स्पष्ट निर्देश दिए कि लंबित एलपीजी बुकिंग को शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी जिलों में एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बढ़ाई गई है, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रदेश में कमर्शियल एलपीजी वितरण के लिए संतुलित और प्राथमिकता आधारित व्यवस्था लागू की गई है, ताकि अत्यावश्यक सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित न हों। इसके तहत अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, सैन्य एवं अर्द्धसैनिक बल कैम्प, जेल, हॉस्टल, समाज कल्याण संस्थान, रेलवे स्टेशन एवं एयरपोर्ट की कैंटीन को उनकी मासिक आवश्यकता के अनुरूप गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

इसके अलावा, भारत सरकार, राज्य सरकार एवं उनके सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यालयों, कैंटीन एवं गेस्ट हाउस को उनकी विगत माहों के उपभोग का 50 प्रतिशत की सीमा तक, जबकि पशु आहार उत्पादक संयंत्र एवं बीज उत्पादक इकाइयों तथा होटल एवं रेस्टोरेंट को निर्धारित सीमा (20 प्रतिशत) के अंतर्गत कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। एलपीजी बुकिंग एवं आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए खाद्य विभाग का कॉल सेंटर (1800-233-3663 एवं 1967) सक्रिय है, जहां प्राप्त शिकायतों का ऑयल कंपनियों के साथ समन्वय कर प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा रहा है, जिससे उपभोक्ताओं को समय पर राहत मिल सके।

बिलासपुर में अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई

माइनिंग विभाग ने जब्त किए जेसीबी, 4 हाइवा, 2 ट्रैक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में खनिज विभाग ने अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफबड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर की गई। टीम ने कोटा, बेलगहना, कोनचरा, बिरकोना, सरकंडा, सिरगिट्टी, सिलपहरी, चकरभाठा, मुढ़िपार और रहँगी क्षेत्रों में अचानक जाँच के लिए पहुंची। विभाग ने वहां अवैध उत्खनन करते एक जेसीबी, चार हाइवा और दो ट्रैक्टर सहित सात वाहनों को जब्त किया है।

अवैध उत्खनन करते हुए एक जेसीबी वाहन और एक हाइवा वाहन को पकड़ा गया। इसके अतिरिक्त, चकरभाठा क्षेत्र से खनिज मुरुम का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर तीन हाइवा वाहन जब्त किए गए।

खनिज विभाग ने एक जेसीबी, चार हाइवा और दो ट्रैक्टर सहित सात वाहनों को जब्त किया है। और कहना है कि खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

रेत का अवैध उत्खनन करते हुए वाहन जब्त

जाँच के दौरान, कोनचरा क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए गए। सिलपहरी क्षेत्र में साधारण पत्थर का

टीकाकरण के बाद 5 वर्षीय बच्चे की मौत स्वास्थ्य केंद्र पर लापरवाही के आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

बागबाहरा। महासमुंद जिले के बागबाहरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में टीकाकरण के बाद एक पांच वर्षीय बालक की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों में भारी आक्रोश है और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, नैतिक यादव (5 वर्ष) को नियमित टीकाकरण के तहत डीपीटी का टीका लगाया गया था। बच्चे के पिता नरेंद्र यादव, जो खल्लारी थाना में पदस्थ हैं, अपने बेटे को सोमवार को टीका लगवाने स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि टीकाकरण के कुछ ही घंटों बाद बच्चे की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। घर लाने के बाद उसने भोजन किया और सो गया, लेकिन शाम के समय उसकी स्थिति गंभीर हो गई। परिवार द्वारा तुरंत अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया है। परिजनों ने स्वास्थ्य केंद्र पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही उन्होंने पोस्टमार्टम किसी बाहरी विशेषज्ञ टीम से कराने की मांग रखी है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सके।

इधर, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मामले की जानकारी मिलते ही जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, जांच रिपोर्ट आने के बाद ही बच्चे की मौत के कारण स्पष्ट हो पाएंगे। घटना के बाद इलाके में भी चर्चा और चिंता का माहौल बना हुआ है।

दंतेवाड़ा में बाघ-तेंदुए की खाल के साथ पकड़ाए 6 शिकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले में वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए बाघ और तेंदुए की खाल के साथ सक्रिय शिकार गिरोह का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त टीम की घेराबंदी में 6 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर वन्यजीवों की खाल बरामद की गई है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

मामला 16-17 मार्च 2026 का है, जब मुखबिर की सूचना पर वनमंडल दंतेवाड़ा, वनमंडल बीजापुर, इंद्रावती टाइगर रिजर्व, राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल और वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। दंतेवाड़ा रेंजर प्रीतेश पांडेय समेत उनकी टीम ने दंतेवाड़ा-बालूद मार्ग पर घेराबंदी कर दो आरोपियों को बाघ की खाल के साथ पकड़ा। पूछताछ में गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी मिली, जिसके आधार पर अलग-अलग

स्थानों पर दबिश दी गई और गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों में लक्ष्मण तेलाम (51), देवीराम ओयाम (58), रमेश कुड़ियाम (24), फरसोन पोयामी (27), सेमला रमेश (24), सुखराम पोडियाम (21) सहित अन्य शामिल हैं।

आरोपियों की निशानदेही पर ग्राम केशापुर में छापेमारी की गई, जहां से एक और तेंदुए की खाल बरामद हुई। इस दौरान मासो ओयाम (50) और अर्जुन भोगामी (42) को भी गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

वन विभाग ने बताया कि जब्त बाघ और तेंदुआ अनुसूची-1 के संरक्षित वन्यजीव हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 9, 39(1)(घ), 3(क)(ख)(ग), 48 सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

डीएफओ बोले- ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

डीएफओ रंगनाधा रामाकृष्णा वाय ने कहा कि वन्यजीवों के अवैध शिकार और तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

टाइल्स लगवाने से इंकार करने पर महिला को ससुर और जेठ ने बाल पकड़कर पीटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई -3 थाना अंतर्गत महिला से उसके जेठ-जेठानी और ससुर द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है। दरअसल महिला के घर के पास सड़क किनारे निगम की ओर से टाइल्स लगाए जा रहे थे। उसने गेट के सामने जगह छोड़कर टाइल्स लगाने के लिए बोल दिया। इसी बात को लेकर परिवार में विवाद हो गया।

शिकायत पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामले में समता कॉलोनी, चरोदा निवासी पी. नागमणि पति पी. सत्यनारायण ने रिपोर्ट दर्ज कराई। सोमवार को नगर निगम की ओर कॉलोनी में रोड के किनारे टाइल्स लगाए जा रहे थे। इस पर उसने कर्मियों को उसके घर के गेट के सामने रंगोली के लिए जगह छोड़कर टाइल्स लगाने के लिए कहा।

यह सुनकर उसके ससुर पी. कुर्मा राव, जेठ पी. सोबन बाबू एवं जेठानी पी. राजलक्ष्मी तीनों नीचे उतर आए। उसके साथ गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर तीनों ने उसके बाल पकड़कर मारपीट की।

15 महिलाओं की मौत पर डॉ-गुप्ता को 2 साल जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर के बहुचर्चित नसबंदी कांड मामले में करीब 11 साल 4 महीने बाद जिला कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। एडीजे कोर्ट बिलासपुर के न्यायाधीश शैलेश कुमार ने सर्जन डॉ. आरके गुप्ता को दोषी यानी गैर इरादतन हत्या के मामले में 2 साल की सजा और 25 हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया है। इसके अलावा धारा 337 के तहत 6 महीन की सजा, 500 रुपए जुर्माना और एक अन्य धारा में 1 महीने की सजा भी सुनाई गई है। कोर्ट ने माना है कि, कम समय में अधिक ऑपरेशन करने और लापरवाही के कारण यह घटना हुई।

बता दें कि, नसबंदी कांड के बाद यह मामला राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रहा था। घटना के बाद राहुल गांधी भी बिलासपुर पहुंचे थे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी। वहीं इस मामले में दवा सप्लाई से जुड़े महावर फार्मा और कविता फार्मास्यूटिकल्स के संचालकों समेत 5 आरोपी रमेश महावर, सुमित महावर, राकेश खरे, राजेश खरे और मनीष खरे को कोर्ट ने सबूत के अभाव में दोषमुक्त कर दिया। यह मामला नवंबर 2014 का है, जब सकरी क्षेत्र के नेमिचंद्र जैन अस्पताल समेत पेंडारी और पेंड्रा में सरकारी नसबंदी शिविर लगाए गए थे। इन शिविरों में बड़ी संख्या में महिलाओं की नसबंदी की गई थी।

ऑपरेशन के बाद तबीयत बिगड़ने से 100 से अधिक महिलाओं को सिम्स, जिला अस्पताल और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। इनमें से 15 महिलाओं की मौत हो गई थी, जिससे पूरे प्रदेश और देश में हड़कंप मच गया था। घटना को लेकर ऑपरेशन में लापरवाही और दवा में जहर (जिंक फास्फाइड) मिलने जैसे आरोप भी लगे थे।

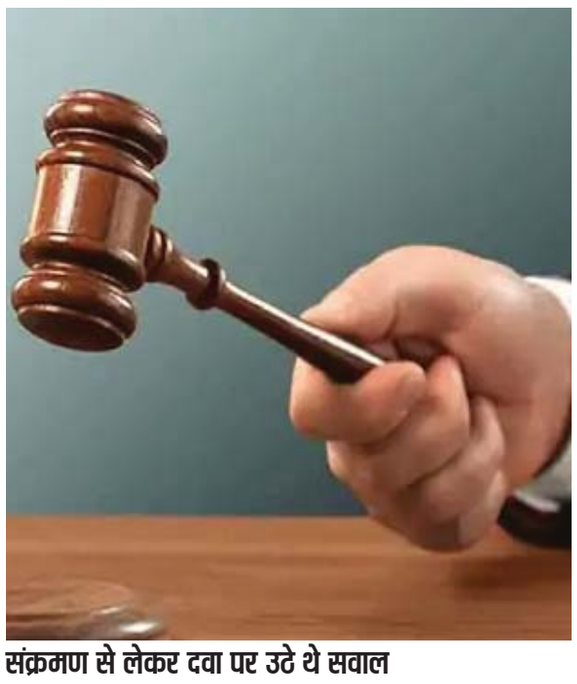

संक्रमण से लेकर दवा पर उठे थे सवाल

शुरुआती पोस्टमॉर्टम और कल्चर रिपोर्ट में मौत का कारण सेप्टिसिमिया और सेप्टिक शॉक बताया गया। ऐसा आमतौर पर गंदे उपकरणों और अस्वच्छ वातावरण से फैलने वाले संक्रमण के कारण होता है। जांच में पता चला कि जिस कमरे में ऑपरेशन हुए, वहां की मशीनें और औजार स्टरलाइज नहीं थे।

वहीं, बाद में स्वास्थ्य विभाग ने दावा किया कि महिलाओं को दी गई सिप्रोसीन-500 दवा में चूहे मारने वाले जहर का अंश मिला था। सरकार ने इसी आधार पर दवा निर्माता कंपनी महावर फार्मा के संचालकों को जेल भेज दिया और कई दवाओं पर बैन लगा दिया। पुलिस ने जिला अस्पताल के वरिष्ठ सर्जन डॉ. आरके गुप्ता, दवा आपूर्ति फर्म महावर फार्मा के संचालक रमेश महावर व सुमित महावर और ''कविता फार्मास्युटिकल्स'' के राकेश खरे, राजेश एवं मनीष खरे के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया था। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने सर्जन डॉ. आरके गुप्ता को आईपीसी की धारा 304 (ए) लापरवाही से मृत्यु के तहत 2 साल की कैद और 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। इसके अलावा उन्हें धारा 337 के तहत 6 माह की कैद व 500 रुपए जुर्माने और धारा 379 के तहत 1 माह की सजा का आदेश दिया गया है।

लैब की क्लीन चिट से कमजोर हुआ अभियोजन का पक्ष

बाद में दवा में जहर वाला एंगल पूरी तरह से गलत साबित हो गया। जिस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी की रिपोर्ट का हवाला दिया गया था, उसने साफ कर दिया कि ऐसी कोई जांच हुई ही नहीं। छत्तीसगढ़ स्टेट फॉरेंसिक लैब ने भी जहर की पुष्टि नहीं की। इन विरोधाभासों और जांच में बरती गई भारी लापरवाही का सीधा फायदा आरोपियों को मिला। अदालत में अभियोजन पक्ष यह साबित करने में नाकाम रहा कि अन्य 5 आरोपियों की इस सामूहिक मौत में क्या सीधी भूमिका थी, जिसके चलते उन्हें संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया गया।

नशीली चाय पिलाकर जेवर चोरी किए, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। शहर के चक्रधरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुलमोहर कॉलोनी में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने फरार मुख्य आरोपी निलेश साहू (26) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपनी लिव-इन पार्टनर और एक अन्य सहयोगी के साथ मिलकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी के पास से 3.20 लाख रुपए के सोने के सिक्के बरामद किए हैं। मामले का खुलासा तब हुआ जब गुलमोहर कॉलोनी निवासी 58 वर्षीय महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके घर से सोने के जेवर और नगदी गायब हैं। जांच में घर की पूर्व सहायिका नेहा साहू पर संदेह गहराया। गिरफ्तारी के बाद नेहा ने कबूला कि उसने सुनियोजित तरीके से महिला को चाय में नशीली दवा पिलाई और बेहोश होने के बाद आलमारी साफकर दी। मामले में नेहा और आशीष पहले ही जेल जा चुके थे, जबकि निलेश फरार चल रहा था। सोमवार शाम को पुलिस ने आरोपी को बंगलापारा से दबोच लिया।

बिलासपुर में स्कूटी सवार प्रॉपर्टी डीलर की मौत

बिलासपुर। बिलासपुर में तेज रफ्तार स्कूटी बेकाबू होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर खंभे से जा भिड़ी। इस हादसे में स्कूटी चला रहे प्रॉपर्टी डीलर की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए। यह घटना तारबाहर थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक जैद एफएम ग्रूप के लिए प्रॉपर्टी डिलिंग का काम करता था। दो साल पहले उसकी शादी हुई थी, लेकिन शादी के डेढ़ साल बाद पत्नी से विवाद होने लगा। पत्नी बच्चे के साथ मायके में जाकर रहने लगी। पत्नी के जाने के बाद जैद डिप्रेशन में था। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है और मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुट गई है।

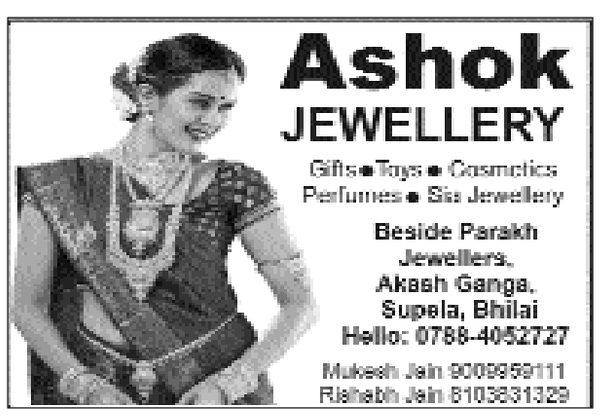

खास खबर

स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग और बलिदान अमूल्य धरोहरः मुख्यमंत्री साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संस्था के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को 23 मार्च को बेमेतरा जिले में आयोजित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। श्री साय ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का योगदान देश के इतिहास में अमूल्य है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। ऐसे आयोजन समाज में राष्ट्रीय मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं और स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रजकाकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, संस्था के अध्यक्ष डॉ. शिरीष शर्मा, डॉ. शिवेन्द्र त्रिपाठी, ललित मिश्रा, विनायक दीवान सहित अन्य उपस्थित थे।

एमसीबी में 23 मार्च को निजी कंपनियों का रोजगार मेला

एमसीबी। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र मनेन्द्रगढ़ के माध्यम से 23 मार्च 2026 को प्लेसमेंट कैंप आयोजित होगा। यह रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय मनेन्द्रगढ़ में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक लगेगा, जहां निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां युवाओं का चयन करेंगी। इस मेले में गुरुग्राम स्थित एक निजी कंपनी द्वारा आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए मीटर इंस्टॉलेशन के 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। चयनित उम्मीदवारों को 15 हजार से 20 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। उनकी नियुक्ति छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में की जाएगी। यह प्लेसमेंट कैंप पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

अम्बेडकर अस्पताल ने बनाया अंतरराष्ट्रीय कीर्तिमान, हुई ये सर्जरी

11 साल के बच्चे के स्टेज-3 इनवेसिव थायमिक कैंसर की सफल सर्जरी; अब तक मेडिकल जर्नल में 12 वर्ष के सबसे कम उम्र का मरीज था दर्ज

- 6 महीने पहले हुए कैंसर सर्जरी एवं 25 साइकिल रेडिएशन थेरेपी के बाद बच्चे ने इस साल स्कूल जाना प्रारंभ किया और परीक्षा भी दिया
- ट्यूमर ने हार्ट के साथ, पेरिकार्डियम, फ्रेनिक नर्व, महाधमनी, मुख्य पल्मोनरी आर्टरी, लेफ्ट एट्रियम एवं फेफड़े को अपनी चपेट में ले रखा था

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए जटिल और असंभव माने जाने वाले ऑपरेशन को सफलतापूर्वक संभव बनाया है। विभाग की टीम ने 11 वर्ष के एक बच्चे के हृदय से चिपके अत्यंत दुर्लभ स्टेज-3 इनवेसिव थायमिक कैंसर (टाइप-बी थायमोमा) का सफल ऑपरेशन कर विश्व स्तर पर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

इसमें खास बात यह है कि अब तक मेडिकल जर्नल में इस प्रकार के कैंसर का सबसे कम उम्र का मरीज 12 वर्ष का दर्ज है, जबकि राज्य में 11 साल के बच्चे में यह बीमारी पाई गई और उसका सफल ऑपरेशन भी किया गया। अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू एवं उनकी टीम द्वारा यह जटिल सर्जरी की गई।

ऑपरेशन के छह माह बाद बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है और इस वर्ष उसने पुनः स्कूल जाना शुरू कर कक्षा छठवीं की परीक्षा भी दी है।

डॉक्टरों के अनुसार यह ट्यूमर सामान्यतः 40 से 60 वर्ष के लोगों में पाया जाता है और बच्चों में इसका मिलना अत्यंत दुर्लभ है। यह ट्यूमर हृदय, पेरिकार्डियम, फ्रेनिक नर्व महाधमनी (एओर्टा), मुख्य पल्मोनरी आर्टरी, लेफ्ट एट्रियम और फेफड़े से चिपका हुआ था। ऐसे मामलों में ट्यूमर को पूरी तरह निकाल पाना (आर-0 रिसेक्शन) लगभग असंभव माना जाता

है, लेकिन अस्पताल में उपलब्ध हार्ट-लंग मशीन की मदद से यह संभव हो पाया।

चांपा निवासी कक्षा छठवीं में पढ़ने वाले इस बच्चे को करीब छह महीने से छाती में दर्द, भारीपन और सांस फूलने की शिकायत थी। जांच में पता चला कि उसके सीने में बड़ा ट्यूमर है, जो हृदय और मुख्य धमनियों से चिपका हुआ है। प्रदेश के कई अस्पतालों में ऑपरेशन से मना किए जाने के बाद मरीज को अम्बेडकर अस्पताल भेजा गया।

डॉ. कृष्णकांत साहू ने सीटी स्कैन देखने के बाद परिजनों को बताया कि ऑपरेशन अत्यंत जोखिम भरा है और सर्जरी के दौरान मरीज की जान को खतरा हो सकता है या ऑपरेशन बीच में रोकना पड़ सकता है। इसके बावजूद परिजनों ने सहमति दी और टीम ने सर्जरी का निर्णय लिया।

ड्यूल एप्रोच तकनीक से हुआ ऑपरेशन

ट्यूमर बहुत बड़ा और कई अंगों से चिपका हुआ होने के कारण ड्यूल एप्रोच तकनीक का उपयोग किया गया। मरीज के स्टर्नम और पसली-दोनों स्थानों पर चीरा लगाया गया। मुख्य ट्यूमर के अलावा फेफड़े की प्लूरल कैविटी में फैले तीन अन्य सैटेलाइट ट्यूमर को भी निकाला गया, ताकि भविष्य में कैंसर दोबारा फैलने की संभावना न रहे। निकाले गए ट्यूमर का आकार लगभग 12×8 सेंटीमीटर और वजन करीब 400 ग्राम था।

ऑपरेशन के दौरान किसी भी आपात स्थिति के लिए हार्ट-लंग मशीन तैयार रखी गई थी। लगभग चार घंटे चली सर्जरी के दौरान हार्ट की झिल्ली, फ्रेनिक नर्व तथा फेफड़े के कुछ हिस्से को भी निकालना पड़ा। साथ ही हार्ट के लेफ्ट एट्रियम को भी रिपेयर किया गया क्योंकि ट्यूमर लेफ्ट एट्रियम से चिपका हुआ था। इस दौरान मरीज को चार यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ी।

सर्जरी के बाद ट्यूमर के नमूने को बायोप्सी के लिए पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. राबिया परवीन सिद्दकी के पास भेजा गया, जहां जांच में इसे इनवेसिव थायमिक कार्सिनोमा (टाइप-बी थायमोमा, स्टेज-3) पाया गया। इसके बाद कैंसर विभाग द्वारा मरीज को 25 साइकिल रेडिएशन थेरेपी दी गई।

अब पूरी तरह स्वस्थ

सर्जरी और उपचार के लगभग छह माह बाद बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है और दो महीने पहले से दोबारा स्कूल जाने लगा है। इस वर्ष उसने कक्षा छठवीं की परीक्षा भी दी है। इस दुर्लभ केस को राष्ट्रीय कैंसर सर्जरी सम्मेलन में भी प्रस्तुत किया गया, जहां इसे बेस्ट पेपर अवार्ड के रूप में सराहना मिली। विभाग अब इसे अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जर्नल में प्रकाशित करने की भी तैयारी है।

अम्बेडकर अस्पताल का हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्यों में छाती, फेफड़े एवं मीडियास्टाइनल कैंसर की सर्जरी का प्रमुख केंद्र है। प्रदेश में इस प्रकार की लगभग 95 प्रतिशत से अधिक सर्जरी इसी विभाग में की जाती हैं।

कोण्डागांव जिले का मांदरी नृत्य दल भारत ट्राइब फेस्ट-2026 में करेगा छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

श्रीकंचनपथ समाचार

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में राज्य स्तरीय शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति लोक कला महोत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाला कोण्डागांव जिले का लिंगो घोटुल मांदरी नृत्य दल अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला का प्रदर्शन करेगा। यह दल नई दिल्ली में आयोजित भारत ट्राइब फेस्ट-2026 में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा।

उल्लेखनीय है कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर अंबिकापुर में आयोजित राज्य स्तरीय शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति लोक कला महोत्सव में इस दल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इस उपलब्धि के लिए देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के हाथों दल को सम्मानित भी किया गया था।

कलेक्टर श्रीमती पन्ना ने जिले के मांदरी नृत्य दल के कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह कोण्डागांव जिले के लिए गर्व का विषय है कि यहां के लोक कलाकारों का दल राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कलाकार अपनी प्रस्तुति से बस्तर की समृद्ध लोक संस्कृति को देशभर में पहचान दिलाते हुए छत्तीसगढ़ राज्य और

कोण्डागांव जिले का नाम रोशन करेंगे।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कृपेन्द्र तिवारी ने बताया कि भारत ट्राइब फेस्ट का आयोजन उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज द्वारा 18 मार्च से 21 मार्च 2026 तक सुंदर नर्सरी, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा, जिसमें छत्तीसगढ़ सहित 7 राज्यों के कलाकार विभिन्न जनजातीय कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कोण्डागांव जिले के ग्राम राहटीपारा, बालेंगा के मांदरी नृत्य दल द्वारा किया जाएगा।

ओटीसी : अब बैंक काउंटर पर भी जमा होंगे चालान

सुकमा। राज्य शासन द्वारा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ई-चालान मॉड्यूल में ओवर द काउंटर (ओटीसी) सुविधा लागू कर दी गई है। इसके तहत अब सभी बैंकों में चालान जमा करने की प्रक्रिया को और सरल बनाया गया है। नई व्यवस्था के अनुसार, नागरिक पहले ई-चालान पोर्टल पर चालान से संबंधित आवश्यक जानकारी ऑनलाइन दर्ज करेंगे। यह डेटा सीधे बैंक को ट्रांसफर हो जाएगा। नागरिक उक्त चालान का प्रिंट निकालकर नजदीकी बैंक काउंटर में प्रस्तुत करेंगे, जहां बैंक द्वारा ट्रेजरी रिफरेंस नंबर (टीआरएन) दर्ज कर चालान की राशि स्वीकार की जाएगी। जिला कोषालय सुकमा एवं उपकोषालय कोण्टा में अलग से काउंटर की व्यवस्था की गई है।

शिशु संरक्षण माह : बच्चों को 12 बीमारियों से बचाने लगेंगे टीके

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन में जिले में शिशु संरक्षण माह का जिला स्तरीय शुभारंभ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गाँधीनगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान ने बच्चों को विटामिन 'ए' की खुराक पिलाकर किया।

इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि 21 अप्रैल 2026 तक संचालित इस अभियान के अंतर्गत आयोजित सभी सत्रों में भाग लेकर बच्चों एवं माताओं को उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाएं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के अंतर्गत 9 माह से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को 12 जानलेवा बीमारियों तथा टेटनस से बचाव हेतु टीकाकरण किया जाएगा।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक रंजना पैंकरा ने बताया कि शिशु संरक्षण माह के दौरान जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाएंगे।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. बी.पी. पटेल ने बताया कि विटामिन 'ए' की खुराक प्रत्येक 6 माह में एक बार लेने से बच्चों में रतौंधी, दस्त, श्वांस, संक्रमण, बुखार एवं कुपोषण की संभावना कम होती है तथा उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है।

ट्रिपलआईटी में छत्तीसगढ़ यूथ साइंस कांग्रेस का उद्घाटन

क्षेत्रीय भाषाओं में हो विज्ञान की पढ़ाई और शोध ताकि ग्रामीणों तक भी पहुंचे ज्ञान : विजय शर्मा

- क्षेत्रीय भाषाओं में भी विज्ञान के अध्ययन और रिसर्च पेपर लाने की आवश्यकता- उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित 21वें छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन (सीवाईएससी-2026) का शुभारंभ आज उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया। दो दिवसीय इस सम्मेलन का संयुक्त आयोजन छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा ट्रिपलआईटी नया रायपुर द्वारा किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि राज्य के विकास में विज्ञान, नवाचार और शोध की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि विज्ञान पढ़ने से पहले मुझे अंग्रेजी पढ़नी पड़ती थी जिसके कारण कई लेक्चर मैंने छोड़ दिए पर धीरे धीरे सब सीख गया, आज जो रिसर्च पेपर आए हैं सभी अंग्रेजी में है और शायद परंपरागत अंग्रेजी में ही होते हैं। पर हमें अब क्षेत्रीय भाषाओं में भी विज्ञान के अध्ययन और रिसर्च पेपर लाने की आवश्यकता है ताकि ग्रामीण परिवेश का व्यक्ति भी ज्ञान अर्जित कर सके।

उन्होंने भारत में विज्ञान के उद्भव पर चिंतन करते हुए कहा कि विभिन्न विषयों पर भारत के मनीषियों एवं ऋषियों ने उस समय कितने चिंतन कर लिए थे जो आज भी चिंतन का विषय है। किसी एक विषय को समझने के लिए आप प्रायोगिक तरीकों से भी जा सकते हैं और वैचारिक तरीकों से भी जा सकते हैं पर आपको उस विषय को समझना है तो प्रायोगिक के साथ वैचारिक तरीकों का समावेश आवश्यक है। आर्यभट्ट ने जो किताब लिखी तो चार भागों में उसमें तीन सूत्र दिए जिनमें न्यूटन के तीन नियमों के संबंध में जानकारी प्राप्त हो जाती है।

उन्होंने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ के यंग साइंटिस्ट के द्वारा प्रस्तुत किए गए 194 पेपर्स को जांचने के लिए देश भर से जो हमारे 45 परीक्षक आए हैं मैं उनका हृदय से आभार करना चाहता हूं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की सरकार ने राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के लिए शोधकर्ताओं को भारत के विज्ञान तीर्थों का दर्शन कराने के लिए विज्ञान तीर्थ दर्शन योजना शुरू की जा रही है। जिसमें विज्ञान

के विद्यार्थी सीवी रमन, शांति स्वरूप भटनागर, बीरबल साहनी, जगदीश चंद्र बोस, डॉ. होमी जहांगीर भाभा, विक्रम साराभाई, सत्येंद्रनाथ बोस, हरगोविंद खुराना, सुब्रमण्यम चंद्रशेखर, अबुल कलाम आजाद जैसे भारत के महान वैज्ञानिकों के कार्यस्थल को जाकर देख सकेंगें और विज्ञान के अनुसंधानों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा समर्थित विभिन्न योजनाओं और शोध परियोजनाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि राज्य शासन किस प्रकार वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान अनुदान और तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है।

इस अवसर पर प्रो. ओम प्रकाश व्यास ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि ट्रिपल आईटी नया रायपुर में इस सम्मेलन का आयोजन संस्थान की शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विज्ञान के बदलते स्वरूप और 'इंटरडिसिप्लिनरी' सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि वर्तमान में युवा वैज्ञानिक कांग्रेस में 20 विषय श्रेणियाँ निर्धारित हैं। 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अंतरविषयी अनुप्रयोग' को 21वीं श्रेणी के रूप में जोड़ा जाए, ताकि उभरती डिजिटल तकनीकों में युवा प्रतिभाओं को विशेष मंच मिल सके।

छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक श्री पी. कवीश्वर ने कहा कि छत्तीसगढ़ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन राज्य की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना और गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देना है। प्रो. एस. के. पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों की भूमिका वैज्ञानिक सोच विकसित करने और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को प्रोत्साहित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, महानिदेशक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद पी. कवीश्वर, पूर्व कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय प्रो. एस. के. पांडेय तथा कुलपति एवं निदेशक ट्रिपल आई टी नया रायपुर प्रो. ओम प्रकाश व्यास उपस्थित रहे।

इस सम्मेलन में ऑनलाइन सबमिशन पोर्टल के माध्यम से कुल 194 शोध-पत्र प्राप्त हुए, जो देश भर के युवा शोधकर्ताओं ने अपने शोध-पत्र 20 विविध वैज्ञानिक विषयों में प्रस्तुत किए हैं। इस दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान स्वीकृत शोध-पत्रों को उनके संबंधित विषय-क्षेत्र में विशेषज्ञों के पैनल के समक्ष प्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे शोधार्थियों को अपने कार्य पर विशेषज्ञों की महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ और सुझाव प्राप्त होंगे। निर्णायकगण विभिन्न विषय-धाराओं में प्रस्तुत शोध-पत्रों का मूल्यांकन कर प्रत्येक क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का चयन करेंगे। इसके माध्यम से उभरते हुए युवा वैज्ञानिकों की पहचान कर उन्हें आगे के मार्गदर्शन, परामर्श और शोध के अवसरों के लिए प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया जाएगा।

सम्मेलन के समापन समारोह में 18 मार्च को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय भी शामिल होंगे। इस अवसर पर वे विभिन्न विषय-धाराओं में चयनित सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुत करने वाले युवा वैज्ञानिकों को सम्मानित करेंगे और उन्हें पुरस्कार प्रदान करेंगे। इस समारोह में इटली की प्रतिष्ठित कंपनी स्मार्ट मी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. एंजेलो जाइया भी शामिल होंगे।

'मातृवंदन' : शिकायतों के तेज निराकरण और मंजूरी पर फोकस से छत्तीसगढ़ बना अव्वल

- आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर राज्य स्तर के अधिकारियों ने सेवा, समर्पण और दृढ़ निश्चय से हासिल की उपलब्धि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना को लाभार्थियों तक पहुंचाने में छत्तीसगढ़ अव्वल रहा है। इससे एक बार फिर साबित हुआ है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार न सिर्फ जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से अमल में लाती है, बल्कि प्रशासनिक सक्रियता से उसे हर तबके तक समय पर पहुंचाने के अपने वादे को पूरा करती है।

गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रोत्साहित करने की इस केंद्रीय योजना के तेजी से क्रियान्वयन और शिकायतों का त्वरित निपटान कर छत्तीसगढ़ ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। यह सिर्फ एक सरकारी योजना का राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वयन भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर पर्यवेक्षक, परियोजना अधिकारी और राज्य स्तर के अधिकारियों तक के सेवा, समर्पण और दृढ़ निश्चय से हासिल की गई उपलब्धि है।

जच्चा एवं बच्चा का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ का प्रथम स्थान इस दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

प्रशासनिक अमले द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लगातार मॉनिटरिंग की गई और लाभार्थियों के पंजीयन पर मुख्य रूप से फोकस किया गया। इस योजना का लाभ लेने के लिए वर्ष 2023-24 में जहां 1,75,797 गर्भवती महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया था, वहीं वर्ष 2024-25 में 2,19,012 रजिस्ट्रेशन किए गए। इसे ही लक्ष्य मानते हुए वर्ष 2025-26 में फरवरी तक 2,04,138 महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया जो लक्ष्य का 93.3 प्रतिशत है।

रजिस्ट्रेशन के बाद इसे तुरंत मंजूरी देने पर फोकस किया गया। तय प्रक्रिया के अनुसार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा फार्म भरने, पर्यवेक्षक द्वारा इसके सत्यापन और परियोजना अधिकारी और राज्य स्तर पर मंजूरी देने में तेजी लाई गई। भरे गए आवेदनों के 83 प्रतिशत का परीक्षण कर इसे भुगतान के लिए केंद्र सरकार को भेजा गया। केंद्र से छत्तीसगढ़ को मिली स्वीकृति की दर भी सबसे ज्यादा 83.87 रही है।

इसके बाद तीसरी कैटेगरी शिकायतों के निराकरण के संबंध में आंकड़ों का परीक्षण किया गया। लाभार्थियों की ज्यादातर शिकायतें भुगतान न होने को लेकर थी। इस पर तत्काल ध्यान दिया गया और कोई कमी थी तो उसे दूर किया गया। हालांकि राज्य सरकार ने सभी शिकायतों का निराकरण कर दिया गया, लेकिन केंद्र सरकार के आंकड़ों में 30 दिन से ज्यादा लंबित शिकायतों की संख्या 7 प्रतिशत पाई गई है। इसके बावजूद 93 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण कर राज्य पहले स्थान पर रहा।

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत कुल 5,98,947 गर्भवती महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया, जिनमें से 5,40,624 को स्वीकृति दे दी गई। गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान और उससे पूर्व पौष्टिक आहार व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार इस योजना के तहत 5 हजार रुपये और दूसरी बेटी के जन्म पर एकमुश्त 6 हजार रुपये देती है। यह राशि तीन किस्तों में दी जाती है। गर्भवती महिलाओं के रजिस्ट्रेशन के समय 1,000 रुपये, 6 माह बाद 2,000 रुपये और बच्चे के जन्म, पंजीकरण और टीकाकरण के बाद 2,000 रुपये का भुगतान किया जाता है। इसका मकसद संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना और शिशु मृत्यु दर को कम करना है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950